वर्ष-14 - अंक 137
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
बुधवार ,26 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

एस.एम.एस. लखनऊ का 19वाँ स्थापना दिवस समारोह... 3 | पश्चिम एशिया संकटः ईरान के तीखे तेवर, होर्मुज से शुल्क ..... 4 | सोनबील फिशरमैन सहकारी समिति के 700 मुस्लिम सदस्यों को हाईकोर्ट..... 08

झारखंड कैबिनेट का फैसला: मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ेंगी

सभी थानों में सीसीटीवी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र घटी

रांची(एजेंसी)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि, पुलिसिंग, भवन एवं पथ निर्माण, पर्यटन सहित अन्य विभागों से जुड़े 53 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट के फैसलों में मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी सीटों की संख्या बढ़ाने, 100 स्कूलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकसित करने, राज्य के सभी 606 थानों को सीसीटीवी नेटवर्क से जोड़ने और बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए बड़ी राशि मंजूर करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं। बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि, सरकारी सेवा में कार्यरत गैर-शैक्षणिक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति उम्र 67 वर्ष से घटाकर 65 वर्ष कर दी गई है। कोरोना काल में चिकित्सकों की जरूरत को देखते हुए सेवानिवृत्ति उम्र में दो वर्ष की बढ़ोतरी की गई थी। अब सरकार ने उस व्यवस्था को बदलते हुए उम्र सीमा फिर 65 वर्ष करने का निर्णय लिया है। पुलिस व्यवस्था में तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए राज्य के सभी 606 थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया गया है। इस

परियोजना पर करीब 90 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे थानों में होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध रहेगी और जरूरत पड़ने पर जांच में सीसीटीवी फुटेज का इस्तेमाल किया जा सकेगा। जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने और आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 तक 393 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में यूजी सीटों को 100 से बढ़ाकर 250 करने तथा पीजी सीटों में वृद्धि और आधारभूत संरचना के विकास के लिए 275 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की संविदा आधारित नियुक्ति के लिए चिकित्सक नियुक्ति नियमावली-2026 को भी कैबिनेट में मंजूरी दी गई है। सरकारी विद्यालयों में कक्षा छह से 12 तक पढ़ने वाली छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन वितरण योजना के तहत 124 करोड़ 37 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में 100 स्कूलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए 721 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। प्राथमिक विद्यालयों के समग्र विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2027-28 से 2028-29 तक ज्ञानोदय योजना के तहत 73 करोड़ रुपये और कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट्स डायरी उपलब्ध कराने के लिए 27 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। युवाओं और विद्यार्थियों में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए झारखंड छात्र अनुसंधान नवाचार नीति-2026 के गठन को भी मंजूरी दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए वीवीग्राम जी योजना को भी कैबिनेट ने स्वीकृति प्रदान की है। कैबिनेट ने कृषि क्षेत्र में किसानों की विशिष्ट आईडी बनाने के कार्य को मंजूरी दी है। कृषि विभाग में संविदा पर कार्यरत 12 कनीय अभियंताओं की सेवाओं को नियमित करने का भी निर्णय लिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुलों के नियमित रखरखाव के लिए झारखंड पुल अनुश्रवण नीति को मंजूरी दी गई है। सड़क और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी कई प्रस्तावों को स्वीकृति मिली। पश्चिमी सिंहभूम के कुमारडुंगी में 38.65 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण के लिए 29 करोड़ 87 लाख रुपये, मनोहरपुर में 19.49 किलोमीटर सड़क के मजबूतीकरण और चौड़ीकरण के लिए 114 करोड़ एक लाख रुपये तथा रामगढ़ के गोला-मुरी क्षेत्र में 4.8 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 56 करोड़ 85 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गिरिडीह में कॉलेज मोड़ से पावर हाउस तक 2.75 किलोमीटर सड़क के मजबूतीकरण के लिए 30 करोड़ 45 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

बिहार: पटना में छात्रों का प्रदर्शन हुआ हिंसक, डीएसपी घायल

पटना(एजेंसी)। पटना में मंगलवार को बीपीएससी टीआरई-4 परीक्षा को सिंगल-स्टेज करने और नेगेटिव मार्किंग हटाने जैसी मांगों को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन और लाठीचार्ज का इस्तेमाल करना पड़ा। कई छात्रों को हिरासत में लिया गया, जबकि पत्थरबाजी में टाउन डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को संवेदनशील सरकारी इलाकों तक पहुंचने से रोकने के लिए गांधी मैदान से डाकबंगला क्रॉसिंग तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। गांधी मैदान के पास जेपी गोलंबर पर बैरिकेड लगाए गए थे, लेकिन खबर है कि बड़ी संख्या में छात्र उन्हें तोड़कर डाकबंगला क्रॉसिंग तक पहुंच गए। जैसे-जैसे प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ी, पुलिस ने शुरू में उन्हें पीछे हटने के लिए मनाने की कोशिश की। हालांकि, छात्र अपनी जगह पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर नारे लगाते रहे। इसके बाद पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। पानी की बौछार के बावजूद कुछ छात्रों को नारे लगाते और तिरंगा लहराते देखा गया। एक अनोखे नजारे में एक प्रदर्शनकारी वॉटर कैनन के नीचे खड़े होकर शैंपू लगाने लगा और बाद में सिर पर शैंपू लगे हुए ही पुलिसकर्मियों के पास पहुंच गया। हालात

बिगड़ गए और पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की खबरें आईं। भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। टकराव के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पत्थर फेंके, जिससे टाउन डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए। एक छात्रा के सिर में भी चोट आई और उसे इलाज के लिए गार्डिनर रोड अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और शुरू में उन्हें सचिवालय थाने ले गई। बाद में उन्हें एयरपोर्ट थाने भेज दिया गया। डाकबंगला क्रॉसिंग पर भीषण गर्मी के बीच एक महिला पुलिस अधिकारी बेहोश हो गईं। हालात का जायजा लेने के लिए जिला मजिस्ट्रेट कुंदन कुमार, एसएसपी कार्तिकेय शर्मा और जोनल आईजी जितेंद्र राणा समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारी लगभग दो घंटे तक डाकबंगला क्रॉसिंग पर डटे रहे और इलाके को खाली कराने की पुलिस की बार-बार की कोशिशों के बावजूद हटने से इनकार कर दिया। छात्र भर्ती से जुड़े कई मुद्दों को लेकर विरोध कर रहे हैं। उनकी बीपीएससी टीआरई-4 से जुड़ी मुख्य मांगों में टीआरई-4 परीक्षा को एक ही चरण में आयोजित करना, नेगेटिव मार्किंग खत्म करना और भर्ती प्रक्रिया में ज्यादा पारदर्शिता लाना शामिल है। उन्होंने सरकारी भर्ती परीक्षाओं से जुड़ी अन्य लंबित मांगों पर भी अपनी बात रखी। इस बीच, बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि सरकार ने छात्रों की 'लगभग सभी' मांगें पहले ही मान ली हैं। उन्होंने कहा कि अगर छात्रों को और कोई बात कहनी है तो सरकार के साथ बातचीत के सभी रास्ते खुले हैं।

संक्षिप्त खबरें

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंदर राव की बिगड़ी तबीयत, खत्म किया अनशन

हैदराबाद। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मंगलवार को तबीयत बिगड़ने के बाद अपना भूख हड़ताल खत्म कर दिया। वह राज्य सरकार से लंबित फीस रीइम्बर्समेंट बकाया जारी करने की मांग को लेकर सोमवार से 48 घंटे के अनशन पर बैठे थे। अनशन के दौरान रामचंदर राव का रक्तचाप गिरने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में चिंता बढ़ गई। वरिष्ठ नेताओं की सलाह पर उन्होंने अनशन समाप्त कर दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद के. लक्ष्मण ने उन्हें नींबू पानी पिलाकर अनशन तुड़वाया। इससे पहले पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, सांसद ईटाला राजेंद्र, तेलंगाना विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता महेश्वर रेड्डी समेत कई भाजपा नेताओं और विधायकों ने अनशन स्थल पर पहुंचकर रामचंदर राव के प्रति समर्थन जताया। भाजपा सांसद ईटाला राजेंद्र ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर लंबित फीस रीइम्बर्समेंट भुगतान को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को छात्रों के भविष्य के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।

समुद्री खोज एवं बचाव, प्रदूषण, समुद्री कानून पर मिलकर काम करेंगे भारत और वियतनाम

नई दिल्ली,। भारत और वियतनाम के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सहयोग को मजबूती देने दिशा में एक अहम बैठक हुई है। बैठक में समुद्री क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें समुद्री खोज एवं बचाव, समुद्री कानूनों का प्रवर्तन, समुद्री प्रदूषण से निपटना और क्षमता निर्माण प्रमुख रहे। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने अब तक चल रहे द्विपक्षीय सहयोग की भी समीक्षा की। इसमें अधिकारियों के बीच पेशेवर आदान-प्रदान, जहाजों की यात्राएं और प्रशिक्षण जैसी गतिविधियां शामिल हैं। दोनों तटरक्षक बलों ने इस बात पर जोर दिया कि नियमित संपर्क से आपसी समझ और भरोसा और मजबूत होगा। बैठक में नियमित संस्थागत बातचीत को जारी रखने पर भी सहमति बनी। दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, पेशेवर आदान-प्रदान और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने को महत्वपूर्ण बताया। दरअसल, दोनों देशों के तटरक्षक बलों के बीच यह 7वीं उच्चस्तरीय बैठक है जो भारत में आयोजित की गई। यह बैठक 2015 में हुए तटरक्षक सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन के तहत हुई।

मराठी भाषा अनिवार्य किए जाने के खिलाफ ऑटो-कैब चालकों ने हाई कोर्ट का रुख किया

12 अगस्त की अधिसूचना को चुनौती, चालकों ने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का लगाया आरोप

मुंबई(एजेंसी)। मुंबई में ऑटो रिक्शा, टैक्सी और ऐप आधारित कैब चालकों के लिए मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान अनिवार्य किए जाने का मामला अब बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंच गया है। मंगलवार को अधिवक्ता विवेक शुक्ला के माध्यम से हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर महाराष्ट्र सरकार की 12 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई। याचिका में दावा किया गया है कि भाषा की अनिवार्यता से बड़ी संख्या में ऑटो और कैब चालकों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। मामले को तत्काल सुनवाई के लिए बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे की पीठ के समक्ष रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान अनिवार्य करने वाला नियम संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत प्राप्त मौलिक अधिकारों के विपरीत है। उनका यह भी तर्क है कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में वाहन चलाने के लाइसेंस के लिए किसी

विशेष भाषा के ज्ञान को अनिवार्य नहीं किया गया है। चालकों ने आशंका जताई है कि नए नियम के कारण बड़ी संख्या में गरीब और प्रवासी चालकों के परमिट या बैज निलंबित किए जा सकते हैं। इससे उनके रोजगार पर असर पड़ने के साथ परिवारों की आजीविका के सामने भी संकट खड़ा हो सकता है। ऑटो और कैब चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य किए जाने के फैसले को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। कई नेताओं ने नियम को लेकर आपत्ति जताई है। इसी बीच शिवसेना के प्रवक्ता संजय निरुपम ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। निरुपम ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा और संस्कृति का सम्मान किया जाना चाहिए। राज्य में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्थानीय भाषा का सम्मान करने के साथ कम से कम उसकी बुनियादी जानकारी हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि भाषा सीखने के लिए लोगों पर जबरन सख्त कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। संजय निरुपम के मुताबिक, सरकार की ओर से चालकों को मराठी सीखने के लिए समय दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में ऑटो चालकों ने इस दिशा में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और करीब 85 प्रतिशत चालकों ने मराठी भाषा का ज्ञान हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि जो चालक अभी भाषा नहीं सीख पाए हैं, उनकी अपनी परिस्थितियां हो सकती हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई किए जाने का वह समर्थन नहीं करते।

जंतर-मंतर पर आरक्षण आंदोलन के पांचवें दिन का वायरल वीडियो फ़र्ज़ी : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर आरक्षण सुधार और यूजीसी रोलबैक के समर्थन में कथित रूप से चल रहे प्रदर्शन से जुड़े एक वायरल वीडियो को फर्जी और भ्रामक बताया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 25 अगस्त तक जंतर-मंतर पर इस तरह का कोई प्रदर्शन नहीं चल रहा है और 24 अगस्त के लिए भी किसी प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई थी। दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के पांचवें दिन का दावा किया जा रहा है, जबकि यह तथ्यात्मक रूप से गलत है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट या भ्रामक सामग्री को साझा या प्रसारित न करें। पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, प्रदर्शन, जुलूस और सभा पर प्रतिबंध है। पुलिस ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक खाते से वीडियो साझा कर दावा किया गया था कि जंतर-मंतर पर 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' और 'यूजीसी रोलबैक' को लेकर पांचवें दिन का प्रदर्शन जारी है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के सत्यापन के लिए पर्याप्त समय देने और निर्धारित प्रक्रिया का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के कुल 5.54 करोड़ मतदाताओं में से करीब 1.08 करोड़ मतदाताओं को एएसडीडीओ (अनुपस्थित, कहीं और चले गए, मृत, जाली या अन्य) श्रेणी में रखा गया है। इसके अलावा, 24 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के बाद लगभग 43.8 लाख मतदाताओं को 'तार्किक विसंगतियों' या वर्ष 2002 की मतदाता सूची से जुड़े नहीं होने के कारण सत्यापन नोटिस मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अकेले बेंगलुरु में 46.88 लाख मतदाता एएसडीडीओ श्रेणी में रखे गए हैं। उनके अनुसार, राज्य में कुल मिलाकर लगभग 1.5 करोड़ मतदाता ऐसे हैं, जिन्हें अपना नाम मतदाता सूची में बनाए रखने या दोबारा शामिल कराने के लिए दावा प्रस्तुत करना पड़ सकता है। एएसडीडीओ श्रेणी में शामिल कई लोग वास्तविक और पात्र मतदाता हो

सकते हैं, जो बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के घर-घर सत्यापन के दौरान नौकरी, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से घर पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि कई ऐसे मतदाता, जो एक मतदान केंद्र क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित हुए हैं, उन्हें नए पते पर नाम दर्ज कराने का मौका नहीं मिला, जबकि पुराने पते से उनका नाम हटा दिया गया। खासकर बेंगलुरु जैसे शहरों में सड़क के एक तरफ से दूसरी तरफ जाने पर भी मतदान केंद्र बदल सकता है।

मुख्यमंत्री ने आशंका जताई कि बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाता मतदान अधिकार से वंचित हो सकते हैं। 'अनुपस्थित' और 'स्थानांतरित' श्रेणी के मतदाताओं को नोटिस भी नहीं मिलते, जिससे उन्हें यह जानकारी तक नहीं हो पाती कि उनका नाम सूची से हट चुका है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने राष्ट्रीय और जोनल नेतृत्व टीम का किया विस्तार

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने संगठनात्मक ढांचे के बड़े विस्तार की घोषणा करते हुए नई राष्ट्रीय नेतृत्व टीम और जोनल कोऑर्डिनेशन कमेटियों का गठन किया है। पार्टी ने कहा कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना, राज्यों और क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और स्थानीय नेतृत्व का व्यापक नेटवर्क तैयार करना है। पार्टी के अनुसार, नए संगठनात्मक ढांचे में देश के विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। इससे सीजेपी की फील्ड स्तर की गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और आम नागरिकों की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा। संगठन संयुक्त सचिव के रूप में रेखा शर्मा, अक्षय शिंदे, प्रेम आकाश, अनाम उज्जमा और बालकृष्ण शुक्ला को नियुक्त किया गया है। वहीं, राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर सुधीर सांगवान और सिद्धांत भारद्वाज को नियुक्त

किया गया है। जोनल कॉर्डिनेशन कमिटी में पूर्वी जोनः शेख मारुफ उद्दीन, देदीप्या गांगुली, शेख अब्दुल हाफिज, प्रकृति साहू, राकेश रंजन सामल, स्वप्निल मिश्रा, आशुतोष रंजन, खुशबू वहाब चौधरी, मयंक पांडेय, सतीश यादव, असलम खान, रसिका खरे, सचिन बरवाल, कृतिका कश्यप, मोहन यादव और रमन दीप। पश्चिमी जोनः डॉ. नितिन दिघे, एडवोकेट जयसिंह शेरे, दुर्गेश कुहिके, नीलाक्षी वानखेड़े, सरोश शेख, रोहित पटेल, अनिकेत शिवहरे, राम पटेल, वेद त्रिवेदी और प्रितेश चावड़ा। उत्तरी जोनः आदेश प्रधान गुर्जर, आजाद मोहित, मोहम्मद फरहान खान, विशेष कंवल, उज्ज्वल पांडेय, पूजा सेंटिस, आफताब सिंह विक, अर्चदीप सिंह कोचर, जाहिद अहमद माले, मेहविश अली, श्रेष्ठ सिंह खेड़ा, अजय देशवाल, डॉ. विवेक सांगवान, मुकेश ऑलराउंडर, राम शाखड़, हर्ष कार्तिकेय सिंह और एडवोकेट आरुषि चाई को शामिल किया गया है। पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि नई नियुक्तियां संगठन की पहुंच को देशभर में विस्तार देने, राज्यों और क्षेत्रों के बीच समन्वय मजबूत करने और एक अधिक संगठित जमीनी जनआंदोलन तैयार करने में अहम भूमिका निभाएंगी। सीजेपी ने कहा, 'इन समर्पित टीमों के माध्यम से हम अपने मिशन को सीधे जमीनी स्तर तक ले जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य आम लोगों के लिए एक मजबूत आंदोलन खड़ा करना, स्थानीय नेतृत्व को सशक्त बनाना और ऐसा राष्ट्र बनाना है, जहां हर आवाज मायने रखे।

शाह विलायत खैराबाद हजरत बड़े मखदूम साहब का 526वां उर्स 28 अगस्त से प्रारंभ

दरगाह पर समस्त तैयारियां पूर्णः- नजमुल हसन शोएब मियां सज्जाद नशीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर स्थानीय दरगाह हजरत बड़े मखदूम साहब में 526 वा उर्स 28 अगस्त से प्रारंभ हो रहा है जिसका समापन 30 अगस्त की रात्रि में होगा उक्त उर्स के संबंध में समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा श्रद्धालुओं का आना प्रारंभ भी हो गया है दरगाह के सज्जाद नशीन नजमुल हसन उर्फ शोएब मियां ने बताया की 526 वें उर्स का शुभारंभ 28 अगस्त की सांय ख्वाजा कुतुब साहब के फातिहा से होगी। 29 अगस्त को प्रात: 9:30 बजे गुसल मजार शरीफ होगा तत्पश्चात ख्वाजा कुतुब साहब का कुल संपन्न होगा ,3:00 बजे अपराहन सज्जाद मियां पूर्व सज्जादा नशीन की चादर पेश की जाएगी तथा 7 बजे से एक जलसा सीरत पाक से संबंधित दरगाह में स्थित मस्जिद में आयोजित किया जाएगा इसके बाद रात

9:00 बजे छोटे मखदूम साहब की दरगाह से जुलूस गागर उठेगा जो विभिन्न मार्गो से होता हुआ दरगाह बड़े मखदूम साहब पहुंचेगा जहां देर रात तक कव्वाली होगी 30 अगस्त को प्रात: कुरान ख्वानी तथा दोपहर 11 बजे से महफिले समा शुरू होगी और शाम 6:00 बजे बड़े मखदूम साहब का 526 वा कुल शरीफ होगा इसी रात मखदूम साहब के भाई शेख अबू मोहम्मद साहब की चादर पेश की जाएगी इस कार्यक्रम के उपरांत 526 वें उर्स का समापन हो जाएगा दरगाह के सज्जादा नशीन शोएब मियां ने जनमानस से अपील करते हुए कहा की यहां सभी धर्म संप्रदाय के लोग आते हैं आपस में सामंजस बनाकर शांतिपूर्वक उर्स को संपन्न कराने में विगत वर्षों की भांति अपना सहयोग प्रदान करें।दरगाह कमेटी अध्यक्ष सैय्यद आमिर मियां रिज़वी और सचिव जावेद मुसतफा टीटू खान ने बताया कि हमारी सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है और दरगाह पर ज़ायरीन के ठहरने तथा भोजन की व्यवस्था कमेटी के द्वारा की जा चुकी है।

सार्वजानिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुमन दुबे पत्नी ब्रह्म सुमेर निवासी साढो पोस्ट सिराथू जिला कौशांबी (प्रयागराज) की स्थयी निवासिनी हूँ मेरा नाम सुमन देवी था जो कि अब बदल कर सुमन दुबे हो गया है सभी दस्तावेज में इनका नाम सुमन दुबे अंकित किया गया है। अब मुझे सुमन दुबे के नाम से जाना और पहचाना जाए।

सार्वजानिक सूचना

वांछित अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा उद्घोषणा आदेश जारी

चुनार, मीरजापुर। मु0अ0 सं0 416/2025 धारा 8/21(C)/29 एनडीपीएस एक्ट व 319(2)/318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2) B.N.S. थाना चुनार जनपद मीरजापुर से सम्बन्धित अभियुक्त साहिल पुत्र शरीफ निवासी एम0पी0ई0वी0 कालोनी के सामने चूना भट्ठा वार्ड नं0 19 थाना मण्डला जिला मण्डला म0प्र0 फरार चल रहा है। अभियुक्त साहिल उपरोक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश (NDPS ACT) मीरजापुर द्वारा दिनांक 08.06.2026 को धारा 84 BNSS के अन्तर्गत उद्घोषणा आदेश जारी किया गया है।

किसान आंदोलनः 6 मुद्दों पर निर्णायक सत्याग्रह का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। मंगलवार को प्रदेश सचिव कैप्टन राहुल तिवारी के आवास पर किसान आंदोलन की महत्वपूर्ण बैठक हुई। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अजय अनमोल ने की। बैठक में जिला संगठन मंत्री लल्लन शर्मा और शुक्लागंज नगर अध्यक्ष शाहनवाज आलम सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। 6 प्रमुख मांगें जिन पर आंदोलन होगाः 1. 24 घंटे बिजलीः ट्रांस गंगा सिटी के बंद पड़े बिजलीघरों को चालू कर शुक्लागंज सहित पूरे जिले में 24 घंटे बिजली आपूर्ति।

2. किसानों के प्लॉटः ट्रांस गंगा सिटी के किसानों को जल्द विकसित प्लॉट उपलब्ध कराना। 3. प्रदूषण से राहतः जिले में बूचड़खानों को बंद कर प्रदूषण से राहत दिलाना।क्र 4. 300 यूनिट मुफ्त बिजलीः क्रमें भेदभाव रहित व्यवस्था लागू कर 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना।

5. महिला-युवा भत्ताः महिलाओं को 3000 रु और युवाओं को 4000 रु प्रतिमाह देना। रू6. राशन कटौती बंदः राशन वितरण में हो रही कथित कटौती को रोकना। बैठक में क्या कहा गयाः प्रदेश अध्यक्ष अजय अनमोल ने कहा कि उन्नाव लव-कुश, माता सीता, महर्षि वाल्मीकि की धरती है, यहीं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और मौलाना हसरत मोहानी का जन्म हुआ। ऐसे जिले में बिजली, बाढ़ और प्रदूषण जैसी समस्याएं जिले की पहचान को प्रभावित कर रही हैं। किसान आंदोलन जनता को जागरूक कर सशक्त लड़ाई लड़ेगा।

प्रदेश सचिव कैप्टन राहुल तिवारी ने कहा कि ये मुद्दे केवल किसानों के नहीं, आम जनता के अधिकार और जीवन से जुड़े हैं। समाधान होने तक गांव-गांव आंदोलन जारी रहेगा। नगर अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने बताया कि ट्रांस गंगा सिटी में 120 KVA क्षमता वाले बिजलीघर मौजूद हैं, जबकि 5 बिजलीघर बंद पड़े हैं और मशीनरी जंग खा रही है, फिर भी जनता बिजली संकट से जूझ रही है। आगे की रणनीतिः जिला संगठन मंत्री लल्लन शर्मा ने घोषणा की कि जनपद में किसान कार्यालय खोलकर संगठन को मजबूत किया जाएगा और सभी 6 मुद्दों पर चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा।

सरकारी ड्यूटी में निजी व्यवस्था का खेल हावी

नवाबगंज ब्लॉक में सफाईकर्मी के 'कंप्यूटर ऑपरेटर' बनने का आरोप

उन्नाव। नवाबगंज विकासखंड में सरकारी ड्यूटी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि ब्लॉक में तैनात सफाईकर्मी धर्मेंद्र सिंह सफाई कार्य करने के बजाय एडीओ पंचायत कार्यालय में कथित तौर पर कंप्यूटर ऑपरेटर का काम कर रहे हैं। आरोप यह भी है कि धर्मेंद्र सिंह अपनी मूल ड्यूटी से अलग कार्य करते हुए अपनी जगह एक अन्य सफाईकर्मी को करीब 300 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से लगाकर सफाई कार्य कराया जा रहा है। यदि आरोप सही हैं तो यह सरकारी कर्मचारी की ड्यूटी व्यवस्था और विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी सफाईकर्मी को उसकी निर्धारित जिम्मेदारी से अलग कार्यालयीय कार्य करने की अनुमति है और यदि नहीं, तो लंबे समय से चल रही इस कथित व्यवस्था पर जिम्मेदार अधिकारियों की नजर क्यों नहीं पड़ी स्थानीय स्तर पर मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग उठ रही है। जांच में यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो न केवल ड्यूटी व्यवस्था से जुड़े कई तथ्य सामने आ सकते हैं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है। अब देखना होगा कि विभागीय अधिकारी इस मामले में कब संज्ञान लेते हैं और क्या कार्रवाई होती है।

मानदेय में भेदभाव के आरोप पर सीएचओ का धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। मानदेय भुगतान में कथित भेदभाव और देरी के विरोध में मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) ने सीएमओ कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के बैनर तले हुए प्रदर्शन में करीब 200 सीएचओ के शामिल होने का दावा किया गया। प्रदर्शनकारियों ने एएमएस (अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम) आधारित मानदेय भुगतान व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मानदेय भुगतान के लिए अलग-अलग मानदंड अपनाए जा रहे हैं। सीएचओ की मांग थी कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्य कर्मचारियों की तरह समान प्रक्रिया के तहत समय पर मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। धरने की सूचना पर सीएमओ डॉ. अजय कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे और सीएचओ प्रतिनिधिमंडल से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। वार्ता के दौरान डीपीएम इंतजार अहमद सिद्दीकी और एसीएमओ डॉ. जेआर सिंह भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मानदेय भुगतान में कथित भेदभाव और प्रक्रियागत दिक्कतों को अधिकारियों के सामने रखा।आश्वासन के बाद समाप्त हुआ धरना सीएमओ ने आश्वासन दिया कि मानदेय भुगतान में किसी भी सीएचओ के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा और समस्या का नियमानुसार समाधान कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मानदेय भुगतान से संबंधित प्रक्रिया मंगलवार को ही पोर्टल पर दर्ज कर दी जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद सीएचओ ने धरना समाप्त कर दिया। संगठन के जिला महामंत्री प्रशांत गुप्ता और जिलाध्यक्ष राजेश कुमार समेत बड़ी संख्या में सीएचओ मौजूद रहे। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि उनकी मुख्य मांग समय पर और समान प्रक्रिया के तहत मानदेय भुगतान सुनिश्चित कराना है।

सार्वजानिक सूचना

वांछित अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा उद्घोषणा आदेश जारी

चुनार,मिर्जापुर। रविवार को प्रभारी निरीक्षक विजय शंकर सिंह ने बताया कि मु0अ0सं0 04/2026 धारा धारा 3/5A/8 गोवध निवा0 अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि0 व 61(2) बीएनएस थाना चुनार, जनपद मीरजापुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त कल्लू कुरैशी पुत्र कलाम कुरैशी निवासी चैनपुर बाजार पठान टोला थाना चैनपुर जनपद भभुआ बिहार फरार चल रहा है। अभियुक्त कल्लू कुरैशी उपरोक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम मीरजापुर द्वारा दिनांक 27.05.2026 को धारा 84 BNSS के अन्तर्गत उद्घोषणा आदेश जारी किया गया है।

नाले में मिला 65 वर्षीय वृद्ध का शव, इलाके में हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के पथरहा और पटकापुर गांव के बीच मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब नाले में एक 65 वर्षीय व्यक्ति का शव उतराता हुआ मिला। सुबह नाले की ओर गए ग्रामीणों ने पानी में शव देखा और इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी। कुछ ही देर में मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं।

ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना- ग्रामीणों ने तत्काल मामले की सूचना सोहरामऊ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नाले में उतरा रहे शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान मृतक की पहचान रामकिशन पुत्र स्वर्गीय सूखा, उम्र 65 वर्ष के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि रामकिशन के तीन बेटे सुरेश, शंकर और प्रेमू हैं। शव मिलने की सूचना परिवार को दी गई तो घर में कोहराम मच गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लिया- घटना की जानकारी पर सोहरामऊ इंस्पेक्टर अरविंद पांडेय भी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और ग्रामीणों व परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल रामकिशन की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं ईद-ए-मिलाद व रक्षाबंधन

जन्माष्टमी पर्वों को लेकर प्रशासन ने की व्यापक तैयारिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -आगामी ईद-ए-मिलाद (बारावफात) एवं रक्षाबंधन, जन्माष्टमी पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं, पीस कमेटी के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ पर्वों की तैयारियों और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहार हमारी साझा संस्कृति और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। सोनभद्र में आपसी भाईचारे एवं सौहार्द की समृद्ध परंपरा रही है और इसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी धर्मगुरुओं एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद करते हुए पर्वों को परंपरागत तरीके से शांति, संयम और उल्लास के साथ मनाने तथा समाज में भाईचारे का संदेश देने की अपील की। ईद-ए-मिलाद के अवसर पर आयोजित होने वाले जुलूस एवं धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जुलूस मार्गों की साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग बेहतर समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि पर्व के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने सोशल मीडिया के प्रयोग में भी विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी अपुष्ट सूचना अथवा अफवाह पर विश्वास न करें और भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री को साझा करने से बचें। किसी भी समस्या अथवा ऐसी सूचना, जिससे शांति एवं सौहार्द प्रभावित होने की आशंका हो, उसकी जानकारी तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराएं। बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भी अपने सुझाव रखे तथा जनपद में शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे की परंपरा को कायम रखते हुए पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों को आगामी पर्वों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'हमारी विविधता ही हमारी सामाजिक शक्ति है। एक-दूसरे की आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए त्योहारों को मिल-जुलकर मनाएं तथा सोनभद्र की शांति, सद्भाव और भाईचारे की पहचान को और मजबूत करें।

रक्षाबंधन से पहले समूह की बहनों का स्नेह, जिलाधिकारी की कलाई पर सजी आत्मनिर्भरता की राखी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश- आगामी 28 अगस्त को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व से पहले आज स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने स्नेह, सम्मान और आत्मनिर्भरता की खूबसूरत मिसाल पेश की। समूह की महिलाओं ने अपने हाथों से तैयार राखी जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की कलाई पर बांधकर रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं। महिलाओं के हाथों से तैयार यह रक्षा-सूत्र उनके स्नेह के साथ हुनर से स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदमों का भी प्रतीक बना।ह जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने इस दौरान महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही विभिन्न प्रकार की राखियों को देखा और उनके साथ बैठकर राखी बनाने की पूरी प्रक्रिया को करीब से समझा। उन्होंने कच्ची सामग्री, लागत, निर्माण, बिक्री और इससे महिलाओं को होने वाली आमदनी के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने महिलाओं की रचनात्मकता एवं मेहनत की सराहना करते हुए उनके उत्पादों को अधिक से अधिक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया। जनपद में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 30 स्वयं सहायता समूहों की लगभग 150 महिलाएं रक्षाबंधन पर्व के लिए राखियां तैयार करने के कार्य से जुड़ी हैं। महिलाओं द्वारा अब तक करीब 20 हजार आकर्षक राखियां तैयार की जा चुकी हैं। इन राखियों की बिक्री से समूह की महिलाओं को लाखों रुपये की आमदनी होने की संभावना है। रक्षाबंधन का पर्व इन महिलाओं के लिए केवल उत्सव नहीं, बल्कि आजीविका का अवसर भी बनकर आया है। घर की जिम्मेदारियां संभालते हुए महिलाएं अपने कौशल को आय में बदल रही हैं और परिवार की आर्थिक मजबूती में भागीदार बन रही हैं। रक्षाबंधन से पहले समूह की महिलाओं ने जब अपने हाथों से तैयार राखी जिलाधिकारी चर्चित गौड़ को बांधी तो यह आत्मीय क्षण भाई-बहन के स्नेह के साथ महिला सशक्तिकरण के संदेश से भी जुड़ गया। जिलाधिकारी ने महिलाओं को आगामी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आर्थिक समृद्धि की कामना की। ह्जिलाधिकारी ने कहा कि समूह की बहनों द्वारा तैयार राखियां उनके हुनर, मेहनत और आत्मविश्वास की पहचान हैं। स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को प्रोत्साहन और बाजार उपलब्ध कराकर महिलाओं की आय बढ़ाना आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

माटीकला कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए 27 अगस्त को होगा साक्षात्कार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की माटीकला कौशल विकास योजना के तहत 15 दिवसीय माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी की अध्यक्षता में साक्षात्कार बैठक 27 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, उन्नाव में होगी। उन्होंने सभी आवेदकों से निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। निर्धारित साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले आवेदकों के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

अपर पुलिस अधीक्षक, अपरजिलाधिकारी, एवं उपजिलाधिकारी द्वारा चकवा महावीर मेले का भ्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आज दिनांक 25.08.2026 को शुभम अग्रवाल , अपर पुलिस अधीक्षक भदोही शुभांगी शुक्ला अपर जिला मजिस्ट्रेट भदोही एवं अरुण दीक्षित, उप जिलाधिकारी द्वारा थाना ज्ञानपुर क्षेत्रांतर्गत स्थित चकवा महावीर मंदिर परिसर में आयोजित सुप्रसिद्ध चकवा महावीर मेले का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा मेला परिसर, प्रमुख प्रवेश एवं निकास मार्गों, श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले स्थानों तथा विभिन्न स्थानों पर तैनात पुलिस बल का निरीक्षण किया गया। साथ ही मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या केदृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु किए गए प्रबंधों की जानकारी ली गई।

एक सप्ताह में अभियान चलाकर सड़कों के गड्ढे भरने की कार्रवाई सुनिश्चित करें-जिलाधिकारी

सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराने एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के साथ ही बरसात के दौरान सड़कों पर हुए गड्ढों को भरने के लिए आदेशात्मक एवं विशेष अभियान चलाकर एक सप्ताह के अंदर सभी संबंधित विभाग कार्रवाई पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा आमजन की सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, एनएचएआई/टोल प्लाजा से संबंधित अधिकारियों, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत तथा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर गड्ढों को भरते हुए सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन मार्गों पर अधिक गड्ढे हैं अथवा जहां दुर्घटना की संभावना अधिक है, उन्हें चिन्हित कर तत्काल मरम्मत कराई जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़कों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक मार्ग की स्थिति, मरम्मत की प्रगति तथा लंबित कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने संबंधित

विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़कों में गड्ढों के कारण यदि किसी प्रकार की दुर्घटना होती है तो संबंधित अधिकारी/विभाग की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित एवं आवारा पशुओं को भी गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर ऐसे पशुओं को पकड़कर नियमानुसार गौशालाओं में संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी से दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है, इसलिए इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यातायात नियमों के पालन, सड़क किनारे अतिक्रमण, दुर्घटना संभावित स्थलों तथा अन्य सड़क सुरक्षा संबंधी बिंदुओं पर भी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशों का अनुपालन केवल कागजी स्तर पर न होकर धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी घोरावल विशाल कुमार, उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशीष त्रिपाठी, सम्बन्धित पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंता, एआरटीओ तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

युवाओं के सपनों को मिली नई उड़ान

कृषि विभाग में 46 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को मिला नियुक्ति पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - युवाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी सेवा से जोड़ने की दिशा में मंगलवार को जनपद सोनभद्र के 46 युवाओं के लिए यादगार अवसर रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कृषि विभाग में नवचयनित प्राविधिक सहायक ग्रुप-'सी' अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका सजीव प्रसारण उप कृषि निदेशक, सोनभद्र कार्यालय के सभागार में देखा एवं सुना गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड की अध्यक्षता में 46 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। लंबे परिश्रम के बाद सरकारी सेवा में चयन एवं नियुक्ति पत्र मिलने की खुशी नवचयनित अभ्यर्थियों के चेहरों पर साफ दिखाई दी। राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने सभी नवचयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति की बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र केवल सरकारी सेवा में प्रवेश का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा के महत्वपूर्ण दायित्व की शुरुआत भी है। सभी नवचयनित कार्मिक पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और शासन की कृषि कल्याणकारी योजनाओं एवं नवीन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को उनकी योग्यता एवं प्रतिभा के आधार पर निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। कृषि विभाग में नए प्राविधिक सहायकों के आने से विभागीय कार्यों को गति मिलने के साथ किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं योजनाओं का लाभ और प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नवचयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना। नवचयनित कार्मिकों को शासकीय सेवा में अपने दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना से करने का संदेश मिला। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले नवचयनित प्राविधिक सहायकों में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। नई जिम्मेदारी के साथ कृषि एवं किसान कल्याण के क्षेत्र में योगदान देने के संकल्प के साथ उन्होंने अपने शासकीय सेवाकाल की शुरुआत की। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा नवचयनित प्राविधिक सहायक उपस्थित रहे।

योगी सरकार के 'निपुण मॉडल' को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

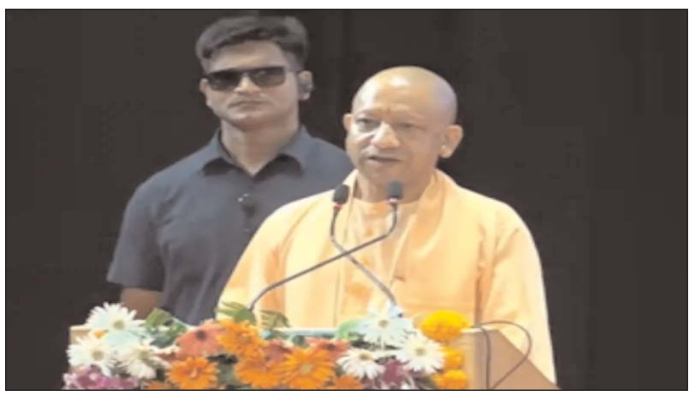

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा और बच्चों की सीखने की क्षमता को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) में किए जा रहे सुधारों को समझने के लिए पांच देशों के करीब 70 वरिष्ठ अधिकारियों एवं नागरिक समाज के प्रतिनिधियों का दल गाजियाबाद पहुंचा। केन्या, ब्राजील, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका और सेनेगल से आए प्रतिनिधियों ने 23 से 27 अगस्त तक चल रहे पीयर-लर्निंग इमर्शन कार्यक्रम के तहत गाजियाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 11 परिषदीय विद्यालयों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर नगर, राजापुर, लोनी और मुरादनगर ब्लॉक के विद्यालयों का भ्रमण कराया गया। इस दौरान विदेशी प्रतिनिधियों ने कक्षा-कक्ष में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, अकादमिक रिसोर्स पर्सन्स (एआरपी) और राज्य संसाधन समूह के अधिकारियों से संवाद कर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया और विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक सहयोग की जानकारी ली। विद्यालय भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने यह समझने का प्रयास किया कि निपुण भारत मिशन के तहत तैयार नीतियों और एफएलएन सुधारों को कक्षा स्तर पर किस तरह लागू किया जा रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों से सीधे संवाद के माध्यम से शिक्षण पद्धति, बच्चों की सीखने की प्रगति और अकादमिक सहयोग से जुड़े अनुभवों को समझा गया। विद्यालयों के दौरे के बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत तकनीकी चर्चा आयोजित की गई। इसमें गाजियाबाद के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और राज्य संसाधन समूह के सदस्य शामिल हुए। बैठक में पाठ्यक्रम एवं अध्ययन उद्देश्यों, संरचित शिक्षण-अधिगम सामग्री, शिक्षक मार्गदर्शन एवं मेंटरिंग, आकलन और आंकड़ों के उपयोग जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इसके अलावा शिक्षा सुधारों को बड़े स्तर पर लागू करने में मध्य स्तर के अधिकारियों की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न देशों के शिक्षा अधिकारियों और विशेषज्ञों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान करना है। उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों को प्रतिनिधियों के लिए व्यावहारिक अध्ययन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। 'लाइटहाउस इंडिया इमर्शन कार्यक्रम' की मेजबानी सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन कर रहा है। कार्यक्रम में सेंट्रो लेमन और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन का सहयोग प्राप्त है। वहीं, ग्लोबल स्कूल फोरम, ऑप्टिमा और गेट्स फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है।

एस.एम.एस. लखनऊ का 19वाँ स्थापना दिवस समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज. लखनऊ का 19वाँ स्थापना दिवस समारोह इंस्टिट्यूट , लखनऊ परिसर में उल्लासपूर्वक वातावरण में भव्यता के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक पूजा-अर्चना के पश्चात पावन सुंदरकांड पाठ से हुआ। यह धार्मिक अनुष्ठान एस.एम.एस. लखनऊ के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसने पूरे समारोह को आध्यात्मिक एवं मंगलमय वातावरण प्रदान किया। इस अवसर पर संस्थान के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी की उर्मिला सिंह, एस.एम.एस. लखनऊ की सलाहकार श्वेता सिंह, हत्तह्न रुड्ड स्नद्बस्त्रह्लष्ड्ढद्ग के अध्यक्ष यश सेंगर, तथा एस.एम.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य डॉ. चंद्र मौली द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूजा-अर्चना के उपरांत बहुउद्देशीय सभागार में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत ग्रुप के संस्थापक तथा पूर्व संयुक्त आयुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, स्वर्गीय सतीश कुमार सिंह के भावपूर्ण स्मरण के साथ हुई। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और संकल्प ने संस्थान की उत्कृष्टता की यात्रा की मजबूत नींव रखी। समारोह के दौरान एस.एम.एस. लखनऊ के 17 समर्पित कर्मचारियों को संस्थान में 10 वर्ष से अधिक की विशिष्ट एवं निरंतर सेवा पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके प्रति संस्थान की कृतज्ञता तथा उनकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और एस.एम.एस. लखनऊ के विकास में दिए गए अमूल्य योगदान की सराहना का प्रतीक रहा। प्राइड ऑफ स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज. लखनऊ अवॉर्ड से डॉ. भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), तथा डॉ. जगदीश सिंह, निदेशक (प्रशासन एवं एडमीशन्स) एस.एम.एस. लखनऊ को उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण, संस्थान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान तथा निरंतर प्रगति में उल्लेखनीय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में एस.के. सिंह मेमोरियल एस.एम.एस. सर्वश्रेष्ठ ग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट (प्रबन्धन एवं इंजीनियरिंग) अवॉर्ड-2026 के अन्तर्गत बी.बी.ए. के छात्र सारांश पाण्डेय, स्नातक (इंजीनियरिंग) श्रेणी में बी.टेक. सी.एस.ई. की छात्रा अंशिका चतुर्वेदी तथा परास्नातक श्रेणी में एम.बी.ए. की छात्रा श्रेया सिन्हा को पुरस्कार राशि प्रदान की गयी।

आउटसोर्सिंग व्यवस्था में किसी कर्मचारी को नहीं हटाया जाएगा : वन विभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में न्यूनतम/दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी संघ, वन एवं वन्यजीव विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से मंगलवार को विभागीय मुख्यालय में गेट मीटिंग एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश अध्यक्ष भोरिक यादव ने की, जबकि संचालन रामदेव यादव एवं रफीक उल्ला खां ने किया। बैठक में आउटसोर्सिंग व्यवस्था, दैनिक वेतन कर्मचारियों की समस्याओं तथा सात सूत्रीय मांगों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि आउटसोर्सिंग व्यवस्था के अंतर्गत किसी भी कार्मिक को हटाया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी पिछले कई वर्षों से विभाग में दैनिक वेतन के आधार पर निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उनके हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस दौरान संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने विभागाध्यक्ष को कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित सात सूत्रीय मांगपत्र सौंपा और मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। बैठक में चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के महामंत्री रामनरेश यादव ने भी कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा और समस्याओं के समाधान के लिए संगठन हरसंभव सहयोग करेगा। कार्यक्रम में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष दयाराम यादव, वनरक्षक संघ के महामंत्री शैलेंद्र सिंह, संयोजक रमाशंकर सिंह, विधि सलाहकार विजय श्रीवास्तव, कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल सिंह, उपाध्यक्ष राजेश राठौर, महामंत्री राजा राम, कोषाध्यक्ष जिला जीत, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ममता पुरोहित, मंत्री गुड़िया देवी, सीमा, उषा देवी, रोहित, कृपाशंकर, अक्षय लाल एवं रोशन सिंह सहित विभिन्न जनपदों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता जताते हुए विभागीय अधिकारियों से समस्याओं के शीघ्र समाधान की अपेक्षा की।

धनगर समाज के जाति प्रमाण पत्र को लेकर किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा ने भरी हुंकार, आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

(मिश्रिख़) सीतापुर के 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि मिश्रिख़ नैमिषारण्य के जरिगवां में भारतीय किसान यूनियन (संघर्ष मोर्चा) के कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा ने धनगर समाज के जाति प्रमाण पत्र सहित किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आंदोलन का ऐलान का जिला अध्यक्ष डॉ. अजय पाल की अध्यक्षता में 'हक की हुंकार' प्रेस वार्ता आयोजित की गई।प्रेस वार्ता में धनगर समाज के जाति प्रमाण पत्र का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। डॉ. अजय पाल ने कहा कि पूर्व में शासन की ओर से कई बार स्पष्ट आदेश दिए जाने के बावजूद धनगर समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई कर समाज को उसका अधिकार दिलाने की मांग की।प्रेस वार्ता में किसानों की खाद, बिजली, जनसमस्याओं, रसोई गैस और महंगाई सहित विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा हुई। संगठन ने कहा कि धनगर समाज के अधिकार और किसानों की समस्याओं को लेकर संघर्ष सीतापुर से शुरू होकर पूरे प्रदेश तक ले जाया जाएगा। 15 दिन में कार्रवाई नहीं तो आंदोलन भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा ने आंदोलन की दो चरणों वाली रणनीति घोषित की है। प्रथम चरण में अगले 15 दिनों के भीतर धनगर समाज के जाति प्रमाण पत्र के मामले में ठोस कार्रवाई नहीं होने पर सीतापुर जनपद के सभी 19 ब्लॉकों में संगठन के ब्लॉक अध्यक्षों के माध्यम से प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। ज्ञापन जिलाधिकारी के नाम संबोधित करते हुए संबंधित सहायक विकास अधिकारी पंचायत/खंड विकास अधिकारी को सौंपा जाएगा। दूसरे चरण में ज्ञापन देने के बाद भी 15 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं होने पर भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा अन्य संगठनों के साथ जिला मुख्यालय का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेगा। संगठन ने इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होने की बात कही है। इस आंदोलन में भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा के साथ भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्र शक्ति), भारतीय किसान मजदूर यूनियन दशहरी, अखिल भारतीय किसान यूनियन राधे, धनगर समाज एवं सर्व समाज तथा अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग की बात कही गई है। जिला अध्यक्ष डॉ. अजय पाल ने कहा कि अब आंदोलन को निर्णायक रूप दिया जाएगा। किसानों का हक नहीं मारा जाएगा और धनगर समाज के लोगों को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर आंदोलन को सीतापुर से पूरे प्रदेश तक ले जाया जाएगा।

सरस्वती-सिंधु सभ्यता और प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा पर हुआ मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ की ओर से आयोजित 'पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम-2026' के छठवें दिन सरस्वती-सिंधु सभ्यता और प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा संग्रहालय एवं पुरातत्व विभाग, चंडीगढ़ के उपनिदेशक डॉ. नरेंद्र परमार ने 'सरस्वती-सिंधु सभ्यता: भारतीय ज्ञान परंपरा के नए आयाम' और 'प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। डॉ. परमार ने अपने व्याख्यान में पुरातात्त्विक साक्ष्यों के आधार पर भारत में ज्ञान परंपरा के प्राचीन विकासक्रम को समझाया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय समाज में विकसित ज्ञान केवल सैद्धांतिक नहीं था, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण, तकनीक, उत्पादन, कृषि और सामाजिक जीवन के व्यावहारिक अनुभवों से भी गहराई से जुड़ा था। व्याख्यान में सरस्वती-सिंधु सभ्यता के पुरातात्त्विक साक्ष्यों के आधार पर नगरीय नियोजन, वास्तुकला, जल एवं पर्यावरण प्रबंधन, मापन एवं गणितीय ज्ञान, कृषि, शिल्प, प्रौद्योगिकी, धातुकर्म तथा सामुद्रिक एवं दूरवर्ती व्यापार पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से धोलावीरा की जल संग्रहण एवं प्रबंधन प्रणाली, सुव्यवस्थित नगरीय योजना, जल निकासी व्यवस्था और मानकीकृत बाट-माप का उल्लेख करते हुए इन्हें उस काल की वैज्ञानिक समझ, तकनीकी दक्षता और पर्यावरण के अनुकूल जीवन पद्धति का प्रमाण बताया गया। डॉ. नरेंद्र परमार ने व्याख्यान के दौरान प्रारंभिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और पुरातात्त्विक साक्ष्यों का प्रायोगिक प्रदर्शन भी किया। इससे प्रतिभागियों को प्राचीन ज्ञान, तकनीकी कौशल और पुरातात्त्विक साक्ष्यों के बीच संबंधों को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। प्रदर्शन को प्रतिभागियों ने रोचक और ज्ञानवर्धक बताया। पुरातत्व विभाग की निदेशक रेनू द्विवेदी ने मुख्य वक्ता का पौधा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरस्वती-सिंधु सभ्यता और प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और पर्यावरणीय दृष्टि के ऐतिहासिक विकास को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑफलाइन और 50 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। प्रतिभागियों ने व्याख्यान एवं प्रायोगिक प्रदर्शन का लाभ उठाया। कार्यक्रम के अंत में राम विनय ने मुख्य वक्ता, निदेशक, अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार यादव ने किया।

मुय वता केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा संग्रहालय एवं पुरातत्व विभाग, चंडीगढ़ के उपनिदेशक डॉ. नरेंद्र परमार ने 'सरस्वती-सिंधु सयताः भारतीय ज्ञान परंपरा के नए आयाम' और 'प्रारंभिक भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। डॉ. परमार ने अपने व्यायान में पुराता्विक साक्ष्यों के आधार पर भारत में ज्ञान परंपरा के प्राचीन विकासक्रम को समझाया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय समाज में विकसित ज्ञान केवल सैद्धांतिक नहीं था, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण, तकनीक, उत्पादन, कृषि और सामाजिक जीवन के व्यावहारिक अनुभवों से भी गहराई से जुड़ा था। व्यायान में सरस्वती-सिंधु सयता के पुराता्विक साक्ष्यों के आधार पर नगरीय नियोजन, वास्तुकला, जल एवं पर्यावरण प्रबंधन, मापन एवं गणितीय ज्ञान, कृषि, शिल्प, प्रौद्योगिकी, धातुकर्म तथा सामुद्रिक एवं दूरवर्ती व्यापार पर विस्तार से चर्चा की गई।

पीसीटीएस परिसर में महापौर ने किया पौधारोपण, शहर को हरा-भरा बनाने का दिया संदेश

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पार्षदों और अधिकारियों ने भी रोपे पौधे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महापौर सुषमा खर्कवाल ने पौधा रोपकर शहरवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान महापौर के साथ पार्षद श्रीमती ममता चौधरी, अपर नगर आयुत अरुण कुमार गुप्त, जोनल अधिकारी जोन-2 मनोज यादव, पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान, जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव और लायन एनवायरो के प्रबंध निदेशक रणधीर सिंह समेत नगर निगम एवं लायन एनवायरो के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा अन्य गणमान्य लोगों ने भी पौधे लगाए।

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण और शहर में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मंगलवार को जोन-2 स्थित मालवीय नगर वार्ड के बुलाकी अड्डा स्थित पीसीटीएस परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने पौधा रोपकर शहरवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान महापौर के साथ पार्षद श्रीमती ममता चौधरी, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जोनल अधिकारी जोन-2 मनोज यादव, पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान, जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव और लायन एनवायरो के प्रबंध निदेशक रणधीर सिंह समेत नगर निगम एवं लायन एनवायरो के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा अन्य गणमान्य लोगों ने भी पौधे लगाए। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी जरूरी है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। लखनऊ को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने के लिए नगर निगम की ओर से स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर की हरियाली बढ़ाने में जनभागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

खंभेश्वर नाथ मंदिर में श्री रामकथा का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। खंभेश्वर नाथ मंदिर परिसर में श्रीरामकथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान की कथा का श्रवण कर रहे हैं। भजन-कीर्तन और धार्मिक वातावरण से मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आया। कथावाचक सुबोध शास्त्री ने श्रीराम कथा के महत्व, भगवान की भक्ति और सनातन जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। जजमान पंकज शुक्ला ने बताया कि हर वर्ष की बात इस वर्ष भी पूरे भक्ति भाव के साथ मंदिर परिसर में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दौरान श्रद्धालु भजनों पर भाव-विभोर नजर आए। आयोजन में महिला, पुरुष एवं बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर दीप्ति शुक्ला पंकज मिश्रा रवि अवस्थी कुलदीप अवस्थी आशीष मिश्रा आशुतोष तिवारी लालू पाल राकेश शुक्ला लकी शुक्ला समेत तमाम चालू उपस्थित रहे।

भजन-कीर्तन और धार्मिक वातावरण से मंदिर परिसर भतिमय नजर आया। कथावाचक सुबोध शास्त्री ने श्रीराम कथा के महत्व, भगवान की भति और सनातन जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। जजमान पंकज शुला ने बताया कि हर वर्ष की बात इस वर्ष भी पूरे भति भाव के साथ मंदिर परिसर में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दौरान श्रद्धालु भजनों पर भाव-विभोर नजर आए। आयोजन में महिला, पुरुष एवं बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता जोन-2 जल्कल विभाग नगर निगम ऐशबाग,लखनऊ

पत्रांक -754/EE -2 LJS
दिनांक-25-08-2026

अल्प कालीन निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदा दिनांक 01/09/26 को अपरान्ह 3.30 बजे तक अधोहस्ताक्षरी द्वारा आमंत्रित की जाती है जो कि उसी दिन सायंकाल 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। संदर्भित कार्य हेतु निविदा किसी भी कार्य दिवस में दिनांक01/09/26 समय 2.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। अर्नेस्ट मनी, एफ.डी.आर.सी.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में अधिशासी अभियन्ता जोन-2 के पदनाम से बन्धक होना अनिवार्य है। बिना अर्नेस्ट मनी के प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये महाप्रबन्धक, जलकल विभाग में निहित होगा। पूर्ण विवरण कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

क्रं0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	जोन-2 के अन्तर्गत गऊघाट रॉ वाटर पम्पिंग स्टेशन के बालागंज इन्टैक्ट पम्प रूम स्थित पम्प सेंट नं0-5. 300 एच0पी0 वर्टिकल पम्प की पूर्ण मरम्मत एवं ओवर हार्लिंग का कार्य जिसमें पम्प सेंट को खोलना, बाउल एसेम्बली की मशीनिंग, पम्प शाफ्ट, हेड शाफ्ट इत्यादि की आपूर्ति एवं फिक्सिग का कार्य।	8500/-	300/- 18 प्रतिशत जी0एस0टी0	30 दिन
2	जोन-2 के अन्तर्गत गऊघाट रॉ वाटर पम्पिंग स्टेशन के बालागंज इन्टैक्ट पम्प रूम स्थित पम्प सेट नं0-5, 300 एच0पी0 वर्टिकल पम्प की पूर्ण मरम्मत एवं ओवर हार्लिंग का कार्य जिसमें लाईन शाफ्ट की मरम्मत, स्पाइडर बुश, शाफ्ट स्लीव, कॉलम पाइप, नट बोल्ट एवं शाफ्ट कपलिंग इत्यादि की आपूर्ति एवं फिक्सिग एवं पम्प सेंट की लोरिंग इत्यादि का कार्य।	8500/-	300/- + 18 प्रतिशत जी0एस0टी0	30 दिन

निविदा प्राप्त करने की शर्ते :- निविदादाता का व्यापार कर एवं आयकर में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है।

अधि0 अभि0 (जोन-2) जलकल विभाग
नगर निगम लखनऊ

संपादकीय

भारतीय ज्ञान परम्परा में शिक्षा

भारतीय शिक्षा प्रणाली विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध परंपराओं में से एक है। यह प्रणाली अपनी जड़ों में गुरुकुल व्यवस्था से लेकर वर्तमान डिजिटल युग तक विस्तारित है। भारतीय शिक्षा ने सदियों से ज्ञान, संस्कृति और मानवता का समृद्ध किया है। हालांकि, समय के साथ इसमें कई परिवर्तन और चुनौतियां आई हैं। भारत का शाब्दिक अर्थ है भा अर्थात ज्ञान, रत अर्थात ' लगा हुआ' जो निरन्तर ज्ञान के अनुसंधान में लगा हुआ है उसे भारत कहते हैं। इसलिए भारत को विश्वगुरु का पद प्राप्त था। भारतवर्ष में शिक्षा का उद्देश्य केवल धन कमाना नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वोत्कृष्ट स्तर पर पहुंचना चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो, अध्यात्म का क्षेत्र हो, ज्योतिष का क्षेत्र हो, कृषि का क्षेत्र हो, संगीत का क्षेत्र हो, तकनीक का क्षेत्र हो, चिकित्सा का क्षेत्र हो, कला का क्षेत्र हो, व्यवसाय का क्षेत्र हो, सामरिक क्षेत्र हो इत्यादि सभी जगह नैतिक मूल्यों के संवर्धन के साथ यश, कीर्ति प्राप्त करना। इहलोक और परलोक की आध्यात्मिक कल्पना को प्राप्त करना शिक्षा का उद्देश्य रहा है। भारतवर्ष में शिक्षा की प्राचीन व्यवस्था पर दृष्टिपात करेंगे तो ध्यान में आएगा कि भारत में शिक्षा सर्वसुलभ और सभी वर्गों में समान रूप से प्रतिपादित होने की व्यवस्था थी। शिक्षा प्राप्त करना सभी का नैतिक उत्तरदायित्व था यहां किसी प्रकार की कोई भेदभाव की व्यवस्था दृष्टिगोचर नहीं होती है। सभी वर्गों को शिक्षा के सामन अवसर प्राप्त थे। भारत के गांवों में चलने वाले गुरुकुलों में निःशुल्क शिक्षा सभी के लिए उपलब्ध थी। किन्तु भारत में मुगलकाल की पराधीनता में शिक्षा पर जो प्रहार हुआ उसने कई प्रकार की विषमताओं, अनियमितताओं के साथ-साथ समाज में विभेद की खाई खड़ी कर दी और कालान्तर में भारत अपनी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था से कोसों दूर हो गया। मुगल और अंग्रेजों के शासन काल में भारत के गुरुकुल बन्द कर दिए गए, पुस्तकालय जला दिए गए, विश्वविद्यालय नष्ट कर दिए गए जिसका परिणाम हुआ कि हम आज तक अपनी खोई शिक्षा प्रणाली को नहीं प्राप्त कर सके। पन्द्रह अगस्त 1947 को भारत जब स्वतंत्र हुआ तब समाज में एक आशा जगी कि भारत अपनी पुनः शिक्षा व्यवस्था को प्राप्त करेगा। किन्तु ऐसा कुछ भी सम्भव नहीं हो पाया। भारत ने अपनी शिक्षा को उसी मैकाले द्वारा प्रतिपादित व्यवस्था पर ही कार्य करता रहा जिसका आज परिणाम हुआ कि बेरोजगारी, अनैतिकता, झूठ, फरेब, व्यभिचार, हीनता, स्वार्थीपना, एक दूसरे के प्रति विद्वेष का भाव बढ़ा है। जहां शिक्षा का उद्देश्य समाज का एक सभ्य नागरिक निर्माण करना था वहीं एक ऐसे इंसान को तैयार कर रहा है जो अर्थ प्राप्त करने के लिए किसी भी नीचता को प्राप्त कर सकता है। शिक्षा केवल अर्थ तक सीमित हो जाने पर आज पति - पत्नी, माता - पिता, भाई- बहन इत्यादि पारिवारिक रिश्तों में केवल धनलोलुपता ही बची है इंसानियत खत्म होती जा रही है। भारत की शिक्षा बाजार तंत्र में बदल रही है। जिसका परिणाम अत्यंत भयावह होने वाला है। वर्तमान भारत में शिक्षा सभी को दे पाना सहज नहीं रहा। नई शिक्षा नीति 2020 लागू होने के बाद भी आशाजनक परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। भारत को अपनी शिक्षा व्यवस्था पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है जिसके लिए उसे कुछ निम्न बिंदुओं पर कार्य करना होगा -

1. सर्वसुलभ व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा - भारत में सर्वसुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल एक नारा बनकर रह गया है हकीकत कुछ और है। आज शिक्षा इतनी महंगी है कि कोई भी सामान्य जीवन यापन करने वाला परिवार अपनी संतानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाह कर भी नहीं दे पा रहा है। निजी विद्यालयों की मनमानी फीस, जूता, मोजा, टाई, बेल्ट, अध्ययन सामग्री के नाम पर लूट मचा रखी है सामान्य वर्ग को इसका खर्चा वहन करना संभव नहीं है शिक्षा दिलाने के लिए आज अभिभावक कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। सरकारी शिक्षा संस्थान पर्याप्त संख्या में हैं नहीं यदि कहीं हैं तो उनमें शिक्षकों एवं संसाधनों की कमी से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होना कठिन है।

2. समान शिक्षा व समान पाठ्यक्रम- आज सम्पूर्ण भारतवर्ष तो छोड़िए एक न्याय पंचायत स्तर पर भी सामन शिक्षा समान पाठ्यक्रम नहीं है निजी विद्यालय अपना पाठ्यक्रम प्रति वर्ष बदलते हैं और मनमाने तरीके से उसमे पाठ्यसामग्री सम्मिलित करते हैं। जबकि चाहिए यह कि शासन द्वारा मातृभाषा में निर्धारित पाठ्यक्रम ही सभी विद्यालयों में पढ़ाया जाए जिससे छात्रों में भय और अभिभावकों में खर्च का बोझ कम हो सकेगा।

3. रोजगारोन्मुख शिक्षा - भारत की प्राचीन शिक्षा सभी को रोजगार के अवसर प्रदान करती थी हर शिक्षित व्यक्ति किसी न किसी रोजगार से संबद्ध होता था स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद उसके लिए जीवन यापन हेतु अवसर सुनिश्चित ही होता था किंतु आज आधुनिक शिक्षा ने इस मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है कि पढ़ा लिखा युवक अनिश्चित भविष्य के साथ जी रहा है अपने पारंपरिक उद्योगों से दूर होकर हीनता के साथ जीवन जी रहा है। अतः शिक्षा तभी और तभी सार्थक है जब गृहस्थी चल सके और नैतिक मूल्य भी बने रहें।

4. शिक्षा और संस्कार - शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य ही है कि देश और समाज के हित में कार्य करने वाले नई पीढ़ी का निर्माण करना जो भारत की संस्कृति , सभ्यता, अध्यात्म के साथ सामंजस्य बैठाकर चतुष्ट्य पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) को प्राप्त करे। शिक्षा एक ऐसे नागरिक निर्माण करे कि वह हीनभावना से मुक्त नैतिक मूल्यों से युक्त हो तथा राष्ट्र व समाज को दिशा प्रदान करें।

भारतीय शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है।

चुनौतियों का समाधान करके और अवसरों का लाभ उठाकर, भारत एक अधिक न्यायसंगत, प्रासंगिक और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रणाली बना सकता है जो सभी नागरिकों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने और राष्ट्र की प्रगति में सहायक होने की सिद्धि प्रदान करें।

बाल भास्कर मिश्र

मेष: आज का दिन आपके लिए उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार में किसी सदस्य से सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें।

वृषभ: आज रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। अनावश्यक खर्च से बचें।

मिथुन: आज आपको अपनी योजनाओं में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में नई संभावनाएं सामने आएंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कर्क: आज मन प्रसन्न रहेगा और महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

सिंह: आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या: आज मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना हो सकती है। धन संबंधी मामलों में लाभ होगा। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला: आज नए लोगों से संपर्क लाभदायक साबित होगा। व्यापार में विस्तार की योजना बन सकती है। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। निवेश करने से पहले अच्छी तरह विचार करें।

वृश्चिक: आज आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

धनु: आज भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और प्रतियोगिता से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर: आज कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बनी रहेगी। आपकी मेहनत का उचित परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में लाभ हो सकता है। परिवार के किसी सदस्य की चिंता दूर होगी।

कुंभ: आज नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के अवसर मिलेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मीन: आज दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। धन प्राप्ति के नए स्रोत बनेंगे। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें।

बीमार अस्पताल कर रहे हैं बीमारी का इलाज

राजीव शुक्ला -(संपादक)

अस्पताल को आम आदमी की नजर में उम्मीद का अंतिम दरवाजा माना जाता है। जब बीमारी शरीर को तोड़ देती है, जब घर की दवाइयां काम नहीं करतीं और जब परिवार अपने किसी सदस्य को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करता है, तब उसकी नजर अस्पताल की ओर उठती है। लेकिन सवाल तब खड़ा होता है, जब इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचा मरीज ऐसी व्यवस्था से सामना करता है, जो खुद कई बीमारियों से जूझ रही हो। स्वास्थ्य और शिक्षा दो ऐसी चीजें हैं जिनपर केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें एक बहुत बड़ा बजट खर्च करतीं हैं लेकिन इतने बड़े बजट के खर्च करने के बावजूद आम इंसान को उसका लाभ नहीं मिल पाता अतः व्यक्ति को प्राइवेट अस्पतालों की तरफ रुख करना होता है। प्राइवेट अस्पतालों ने वो रवैया बना रखा है कि आम आदमी की कमर टूट जाती है। क्योंकि हर व्यक्ति इतना खर्च नहीं कर सकता जितनी फीस प्राइवेट अस्पतालों की होती है। आज स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल मरीजों की बढ़ती संख्या नहीं है। चुनौती अस्पतालों की व्यवस्था, संसाधनों, स्वच्छता, मानव संसाधन, जवाबदेही और मरीज के साथ संवेदनशील व्यवहार की भी है। सरकारी अस्पतालों में भीड़, सीमित सुविधाएं और लंबी कतारें आम चर्चा का विषय हैं तो निजी अस्पतालों में इलाज का बढ़ता खर्च गरीब और मध्यम वर्ग के सामने अलग संकट खड़ा करता है। किसी अस्पताल की बीमारी केवल टूटी कुर्सियों, गंदे शौचालयों या खराब उपकरणों से नहीं पहचानी जाती। असली बीमारी तब दिखाई देती है, जब मरीज को समय पर डॉक्टर न मिले, जांच के लिए कई घंटे इंतजार करना पड़े, आवश्यक दवा उपलब्ध न हो या परिजन को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भटकना पड़े। बीमारी से परेशान व्यक्ति जब व्यवस्था से लड़ने को मजबूर हो जाए तो समझना चाहिए कि समस्या केवल चिकित्सा की नहीं, पूरी व्यवस्था की है। अस्पतालों में डॉक्टर और दूसरे स्वास्थ्यकर्मी भी अक्सर अत्यधिक दबाव में काम करते हैं। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती है, लेकिन उसके अनुपात में संसाधन और कर्मचारियों की उपलब्धता कई जगह पर्याप्त नहीं होती। इसका असर डॉक्टर और मरीज दोनों पर पड़ता है। इसलिए केवल चिकित्सकों को दोषी ठहराने के बजाय स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियादी संरचना पर भी सवाल उठाना जरूरी है। दूसरी ओर निजी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन महंगा इलाज आम परिवार की आर्थिक क्षमता को चुनौती देता है। बीमारी पहले शरीर को कमजोर करती है और फिर इलाज का खर्च परिवार की आर्थिक स्थिति को। कई परिवार इलाज के लिए कर्ज लेने तक को मजबूर हो जाते हैं। स्वास्थ्य सुविधा यदि आर्थिक रूप से इतनी दूर हो जाए कि जरूरतमंद व्यक्ति अस्पताल जाने से पहले अपनी जेब देखे, तो यह व्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न है। स्वास्थ्य व्यवस्था की गुणवत्ता का आकलन केवल बड़े भवनों, नई मशीनों और चमकते हुए अस्पतालों से नहीं होना चाहिए। असली परीक्षा यह है कि वहां पहुंचने वाले मरीज को समय पर, सम्मानजनक और सुरक्षित इलाज कितना मिलता है।

अस्पताल की दीवारें नई हो सकती हैं, लेकिन यदि व्यवस्था पुरानी समस्याओं से घिरी है तो केवल भवन बदलने से स्वास्थ्य सेवा नहीं बदलती। सरकारों को अस्पतालों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उनकी कार्यक्षमता पर भी ध्यान देना होगा। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की पर्याप्त नियुक्ति, आवश्यक दवाओं की नियमित उपलब्धता, जांच सुविधाओं का विस्तार, स्वच्छता की निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ हैं। इसके साथ ही अस्पताल प्रशासन की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। मरीज अस्पताल में केवल इलाज लेने नहीं आता, वह अपने साथ भरोसा लेकर आता है। डॉक्टर की एक बात उसके परिवार को उम्मीद दे सकती है और व्यवस्था की एक लापरवाही उस उम्मीद को तोड़ सकती है। इसलिए स्वास्थ्य सेवा में तकनीक जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी संवेदनशीलता भी है। विडंबना यही है कि जिस संस्था का काम बीमारी से लड़ना है, अगर वही अव्यवस्था, लापरवाही और संसाधनों की कमी से बीमार दिखाई देने लगे तो सबसे पहले सुधार उसी संस्था का होना चाहिए। अस्पतालों को केवल बीमारी का इलाज करने वाली इमारत नहीं, बल्कि भरोसे की व्यवस्था बनना होगा।

क्योंकि स्वस्थ समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसके पास कितने अस्पताल हैं, बल्कि इस बात से होती है कि संकट की घड़ी में उन अस्पतालों पर आम आदमी कितना भरोसा कर सकता है। सवाल बीमारी का ही नहीं है, सवाल उस व्यवस्था का भी है जो बीमारी से लड़ने के लिए खड़ी की गई है। जब अस्पताल खुद व्यवस्था की बीमारी से जूझने लगें, तब इलाज मरीज का ही नहीं, पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था का भी जरूरी हो जाता है।

पश्चिम एशिया संकट: ईरान के तीखे तेवर, होर्मुज से शुल्क वसूली का ऐलान; अमेरिका पर बढ़ता आर्थिक दबाव

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव अब केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रह गया है। ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष ने आर्थिक मोर्चे पर भी गंभीर रूप ले लिया है। एक ओर अमेरिका ईरान पर अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई की तैयारी में है, वहीं दूसरी ओर तेहरान ने साफ संकेत दे दिए हैं कि वह दबाव के सामने झुकने के बजाय अपनी रणनीतिक ताकत का इस्तेमाल करेगा। ईरान की संसद ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने के प्रस्ताव को मंजूरी देकर इस दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा बाजार पर नए संकट की आशंका पैदा हो गई है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरान के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई को 'इकोनॉमिक डी-डे' बताया है। उनका संकेत है कि वाशिंगटन अब ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके साथ व्यापार करने वाले देशों तथा कंपनियों पर व्यापक दबाव डालने की तैयारी में है। यदि ये प्रतिबंध लागू होते हैं तो ईरान के तेल कारोबार, वित्तीय लेन-देन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर इसका गहरा असर पड़ सकता है। अमेरिका का उद्देश्य ईरान की आर्थिक क्षमता को कमजोर करना और उसके सैन्य प्रभाव पर अंकुश लगाना बताया जा रहा है। लेकिन तेहरान के तेवर इसके विपरीत बेहद आक्रामक दिखाई दे रहे हैं। ईरान ने संकेत दिया है कि यदि उस पर आर्थिक युद्ध तेज किया गया तो वह खाड़ी क्षेत्र से होने वाले तेल निर्यात को रोकने की दिशा में कदम उठा सकता है। ईरानी नेतृत्व की ओर से यह चेतावनी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के ऊर्जा व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग हैं। यहां किसी भी तरह की बाधा का असर केवल ईरान और अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एशिया, यूरोप और दुनिया के कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से जुड़े नेताओं ने यह स्पष्ट किया है कि आर्थिक दबाव को लंबे समय तक स्वीकार नहीं किया जाएगा। तेहरान का संदेश सीधा है कि यदि उसके तेल निर्यात को निशाना बनाया गया तो वह भी ऐसा कदम उठा सकता है जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो। 'तेल की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे' जैसी चेतावनी से ईरान यह बताने की कोशिश कर रहा है कि उसके पास भी जवाब देने के लिए रणनीतिक विकल्प मौजूद हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य इस पूरे संकट का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। खाड़ी के प्रमुख तेल उत्पादक देशों से निकलने वाले जहाजों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण रास्ता है। ऐसे में यहां जहाजों की आवाजाही पर किसी भी तरह की पाबंदी या अतिरिक्त शुल्क से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ईरानी संसद की मंजूरी के बाद अब इस प्रस्ताव ने संकट को आर्थिक और समुद्री सुरक्षा के नए चरण में पहुंचा दिया है। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति से जुड़े अधिकारियों के अनुसार होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को समुद्री, पर्यावरणीय और सुरक्षा जैसी सेवाओं के बदले शुल्क देने की व्यवस्था की जा सकती है। भुगतान ईरानी मुद्रा या ईरान द्वारा स्वीकार की जाने वाली किसी अन्य मुद्रा में किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि इस व्यवस्था का वास्तविक स्वरूप और इसे किस तरह लागू किया जाएगा, यह आगे स्पष्ट होगा। फिर भी संसद की मंजूरी को ईरान की ओर से एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश माना जा रहा है। इस बीच लाल सागर में एक तेल टैंकर पर हुए हमले ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। सऊदी अरब के झंडे वाले एक तेल टैंकर को निशाना बनाए जाने के बाद उसके मुख्य डेक पर आग लगने की खबर सामने आई। लाल सागर पहले से ही वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है। वहां किसी तेल टैंकर पर हमला होने से जहाजरानी कंपनियों और ऊर्जा कारोबार से जुड़े देशों की चिंता बढ़ सकती है। होर्मुज की समुद्री आवाजाही में भी कमी के संकेत मिले हैं। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार पिछले सात दिनों में इस मार्ग से जहाजों की संख्या काफी सीमित रही। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका सीधा असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ सकता है। जहाजरानी कंपनियों को सुरक्षा जोखिम बढ़ने पर वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ सकता है, जिससे परिवहन लागत और यात्रा का समय दोनों बढ़ सकते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर खाड़ी के दूसरे देशों पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, इराक और कुवैत जैसे देश क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा निर्यात समुद्री मार्गों की सुरक्षा से सीधे जुड़े हैं। इसलिए क्षेत्रीय देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे किसी बड़े संघर्ष का हिस्सा बने बिना अपनी ऊर्जा और व्यापारिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। इसी बीच इराक ने ईरान और सऊदी अरब के बीच विश्वास बहाली की दिशा में एक क्षेत्रीय सुरक्षा परिषद बनाने का प्रस्ताव सामने रखा है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ाना और क्षेत्रीय तनाव कम करना बताया गया है। इराक का यह प्रयास इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ईरान और सऊदी अरब पश्चिम एशिया की राजनीति में प्रभावशाली शक्तियां हैं। दोनों के बीच बेहतर संबंध पूरे क्षेत्र में तनाव कम करने में मदद कर सकते हैं। अमेरिका के लिए भी मौजूदा स्थिति आसान नहीं है। ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाने से वाशिंगटन को आर्थिक दबाव बढ़ाने का विकल्प तो मिलेगा, लेकिन इसके साथ वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता का खतरा भी बढ़ सकता है। यदि ईरान वास्तव में तेल आपूर्ति बाधित करने की दिशा में कदम उठाता है तो कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आ सकती है। इसका असर ईंधन, परिवहन और महंगाई पर पड़ सकता है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति नई चुनौती पैदा कर सकती है। ईरान भी जानता है कि होर्मुज केवल उसका समुद्री क्षेत्र नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण जीवनरेखा है। इसलिए इस मार्ग का इस्तेमाल तेहरान के लिए आर्थिक हथियार के साथ-साथ कूटनीतिक दबाव के साधन के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि होर्मुज में किसी बड़े व्यवधान से ईरान की अपनी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। यही वजह है कि आगे की रणनीति बेहद सावधानी से तय करनी होगी। मौजूदा घटनाक्रम से साफ है कि पश्चिम एशिया का संकट एक नए और अधिक जटिल दौर में प्रवेश कर चुका है।

अमेरिका आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए ईरान पर दबाव बढ़ाने की तैयारी में है, जबकि ईरान अपने तेल और समुद्री मार्गों को रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के संकेत दे रहा है। होर्मुज से शुल्क वसूली की मंजूरी ने इस टकराव को नया आयाम दे दिया है। अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि अमेरिका की प्रस्तावित आर्थिक कार्रवाई कितनी व्यापक होती है और ईरान उसका जवाब किस स्तर पर देता है। यदि दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ा तो इसका प्रभाव युद्धक्षेत्र से निकलकर तेल बाजार, समुद्री व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच सकता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में संघर्ष को रोकने और बातचीत का रास्ता खोलने की कोशिशें पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई हैं। तेहरान के तीखे तेवर और वाशिंगटन की आर्थिक कार्रवाई के बीच आने वाले दिन यह तय करेंगे कि संकट बातचीत की मेज तक पहुंचता है या दुनिया एक और बड़े ऊर्जा संकट की ओर बढ़ती है।

कांतिलाल मांडोत

श्रमिक कल्याण योजनाओं से फिरोजाबाद में संवरता निर्माण कामगार परिवारों का भविष्य

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान एवं व्यापक सुरक्षा कवच के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर अत्यंत प्रभावी और परिवर्तनकारी सिद्ध हो रही हैं। राज्य में निर्माण गतिविधियों से जुड़े करोड़ों कर्मकारों के श्रम का सम्मान करते हुए प्रदेश सरकार ने उनके जीवन चक्र के प्रत्येक संवेदनशील पड़ाव पर वित्तीय संबल प्रदान करने की एक सुदृढ़ व्यवस्था स्थापित की है। 'सुरक्षित श्रम, सशक्त श्रमिक' के संकल्प के साथ संचालित इन योजनाओं का उद्देश्य केवल तात्कालिक राहत देना नहीं, बल्कि विपत्ति के समय श्रमिक परिवारों को आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा में बनाए रखना है। कांच उद्योग एवं निर्माण क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जनपद फिरोजाबाद में इन नीतियों के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन से अनेक संकटग्रस्त परिवारों के जीवन में स्थायित्व, सम्मान और नई आशा का संचार हुआ है। जनपद फिरोजाबाद की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना में निर्माण कामगारों का विशेष योगदान रहा है। दिन-रात पसीना बहाकर विकास की आधारशिला रखने वाले इन श्रमिकों के सामने आकस्मिक दुर्घटना अथवा मुखिया के असामयिक निधन की स्थिति में गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। ऐसी ही एक संवेदनशील परिस्थिति में फिरोजाबाद की निवासी अनीता के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब उनके पति, जो एक पंजीकृत निर्माण मजदूर थे, का अचानक निधन हो गया। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य के चले जाने से घर के दैनिक भरण-पोषण, बच्चों के लालन-पालन और विशेषकर विवाह योग्य पुत्री के भविष्य को लेकर अनीता के सामने विकट चुनौती उत्पन्न हो गई थी। चारों ओर घोर निराशा और अनिश्चितता के उस अंधकारमय दौर में प्रदेश सरकार की सामाजिक सुरक्षा नीतियों ने इस पीड़ित परिवार के लिए जीवनरक्षक संबल की भूमिका निभाई। जिला प्रशासन के माध्यम से संचालित कल्याणकारी व्यवस्था के संपर्क में आने के उपरांत अनीता को निर्माण कामगार मृत्यु सहायता योजना के अंतर्गत त्वरित सहायता उपलब्ध कराई गई। पात्रता के संपूर्ण मानकों पर त्वरित परीक्षण के पश्चात अनीता को मृत्यु सहायता के रूप में सवा दो लाख रुपये की आर्थिक धनराशि प्रदान की गई, जबकि अंत्येष्टि के तात्कालिक संस्कारों के निर्वहन हेतु पच्चीस हजार रुपये की अतिरिक्त राशि भी तत्काल अवमुक्त की गई। कुल ढाई लाख रुपये की इस संयुक्त आर्थिक सहायता ने परिवार को न केवल आर्थिक रूप से टूटने से बचाया, बल्कि उनके सामाजिक मान-सम्मान की भी पूर्ण रक्षा की। वित्तीय सहायता प्राप्त होने के उपरांत अनीता ने सर्वप्रथम अपनी पुत्री के आगामी वैवाहिक अनुष्ठान की सभी आवश्यक तैयारियां सम्मानपूर्वक पूर्ण कीं। इसके साथ ही, दूरदर्शिता का परिचय देते हुए शेष धनराशि का सदुपयोग स्थानीय स्तर पर पारंपरिक कांच व चूड़ी निर्माण से जुड़े स्वावलंबन कार्य को आरंभ करने में किया। आज वह स्वयं आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार का भरण-पोषण पूर्ण स्वाभिमान के साथ कर रही हैं। किसी भी बिचौलिए अथवा अवांछित हस्तक्षेप के बिना सीधे बैंक खाते में शत-प्रतिशत धनराशि के अंतरण ने शासन की नीति, नीयत और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति आमजन के विश्वास को दृढ़ किया है। जनपद फिरोजाबाद का यह उदाहरण राज्यव्यापी उस वृहद सुरक्षा तंत्र की एक जीवंत बानगी है, जिसे प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के लिए संस्थागत रूप दिया है। राज्य में अठारह से साठ वर्ष के आयु वर्ग के वे सभी श्रमिक, जिन्होंने पूर्ववर्ती बारह महीनों की अवधि में न्यूनतम नब्बे दिन निर्माण कार्य किया हो, इस व्यापक कल्याणकारी तंत्र के अंतर्गत विधिवत आच्छादित किए जाते हैं। पंजीयन से लेकर नवीनीकरण तक की संपूर्ण व्यवस्था को सरलीकृत किया गया है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े कामगार को अपने वैध अधिकारों की प्राप्ति के लिए किसी जटिल प्रक्रिया से न गुजरना पड़े। निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों का कार्य अत्यंत श्रमसाध्य और जोखिमपूर्ण होता है, जिसमें कार्यस्थल पर दुर्घटना अथवा सामान्य बीमारी से आकस्मिक मृत्यु की आशंका निरंतर बनी रहती है। इस मानवीय पक्ष को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन का अत्यंत मानवीय एवं संवेदनशील ढांचा तैयार किया गया है। यदि किसी पंजीकृत कामगार की कार्यस्थल पर अथवा कार्य के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है, तो उसके वैध आश्रितों को पांच लाख रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। वहीं, कार्यस्थल से इतर स्वाभाविक अथवा सामान्य मृत्यु की दशा में दो लाख रुपये का वित्तीय अनुदान देय होता है। अंत्येष्टि के तात्कालिक प्रबंधों के लिए पच्चीस हजार रुपये की अतिरिक्त व्यवस्था प्रत्येक स्थिति में सुनिश्चित की गई है। दुर्घटना के फलस्वरूप यदि कोई श्रमिक स्थायी रूप से पूर्ण अक्षमता का शिकार हो जाता है, तो उसे जीवनयापन के संकट से उबारने के लिए तीन लाख रुपये की एकमुश्त सहायता के साथ-साथ आजीवन मासिक अक्षमता पेंशन का प्राविधान है। आंशिक विकलांगता की स्थिति में शारीरिक क्षति के अनुपात में डेढ़ लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता सीधे प्रदान की जाती है। यह त्रिस्तरीय सुरक्षा संरचना इस बात की गारंटी देती है कि किसी भी विपत्ति के समय श्रमिक परिवार को दर-दर भटकना न पड़े और उनका भविष्य अंधकारमय होने से बच सके। इस सुरक्षा कवच का विस्तार केवल संकटकालीन सहायता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिकों के जीवन स्तर को समग्र रूप से उन्नत बनाने हेतु बहुआयामी योजनाएँ भी संचालित हैं। शिशु के जन्म से लेकर मातृत्व पोषण, स्वास्थ्य संवर्धन, आवास सहायता तथा शौचालय निर्माण तक की आवश्यकताओं को विभिन्न लक्षित योजनाओं के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। श्रमिकों की बेटियों के सम्मानजनक विवाह हेतु कन्या विवाह सहायता योजना के तहत आर्थिक अनुदान सीधे प्रदान किया जाता है, जिससे आर्थिक तंगी के कारण बेटियों के हाथ पीले करने में कोई अवरोध उत्पन्न न हो। श्रमिक वर्ग की भावी पीढ़ी को अंधकार से निकालकर उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी कदम उठाए गए हैं। संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना और मेधावी छात्र पुरस्कार योजना के माध्यम से श्रमिकों के प्रतिभावान बच्चों को प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तक नियमित छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य के प्रत्येक प्रशासनिक मंडल में स्थापित किए गए आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय विद्यालय इस दिशा में क्रांतिकारी उपलब्धि हैं। इन आवासीय विद्यालयों में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर प्रशिक्षण, खेलकूद सुविधाएं, पौष्टिक भोजन, पोशाक तथा छात्रावास की पूर्णतः निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है।प्रदेश सरकार द्वारा इन सभी कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की रीढ़ तकनीकी आधुनिकीकरण और प्रशासनिक शुचिता को बनाया गया है। संपूर्ण प्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करते हुए केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल और जन सेवा केंद्रों के माध्यम से जोड़ दिया गया है। ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल नवीनीकरण तथा ई-केवाईसी आधारित सत्यापन ने पूरी प्रक्रिया को कागजी औपचारिकताओं से मुक्त कर पारदर्शी बना दिया है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति मिलते ही धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित होती है, जिससे लीकेज और भ्रष्टाचार की संभावना पूर्णतः समाप्त हो चुकी है।

जिला स्तर पर प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मृत्यु सहायता अथवा दुर्घटना राहत जैसे अत्यंत संवेदनशील मामलों में किसी भी प्रकार का विलंब अस्वीकार्य होगा। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे मामलों में त्वरित स्थलीय सत्यापन सुनिश्चित कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर दावों का निस्तारण किया जा रहा है।

सूचनाधिकारी जनपद प्रतापगढ़ / डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

साहब... हमारी सुनवाई कब होगी

ग्राम प्रधान पर लगाया कई बार शिकायत करने के बाद भी सुनवाई न करने का आरोप

कल्याणपुरा के मजरा नई बस्ती में विगत तीन माह से लाइट एवं हैण्डपम्प खराब होने से परेशान है ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

विकासखंड बिरधा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्याणपुरा के मजरा नई बस्ती में जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते यहां पर रहने वाले करीब तीन दर्जन परिवार आज भी बदहाली की जिंदगी जीने को मजबूर हैं। बताया गया है कि इस बस्ती में पिछले तीन महीनों से विद्युत व्यवस्था ध्वस्त है और हैंडपंप खराब पड़े हुए हैं, जिस कारण ग्रामीणों को अंधेरे में जीवन यापन करना पड़ रहा है और पेयजल की व्यवस्था न होने से करीब एक किलोमीटर दूर से पेयजल लाना पड़ता है। किसके साथ ही कुछ ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास न मिलने और राशन कार्ड न बनने से भी काफी परेशानी हो रही है। कई बार ग्राम प्रधान और ब्लॉक स्तर पर शिकायत करने के बाद जब समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो करीब तीन दर्जन ग्रामीण जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर अपने इलाके की विद्युत आपूर्ति और पेयजल व्यवस्था को सुचारु करने की मांग उठाई। अन्यथा की दृष्टि में धरना प्रदर्शन आंदोलन करने की चेतावनी दी।

साहब हमारी सुनवाई कब होगी यह बात ग्राम कल्याणपुरा के मजरा नई बस्ती के करीब तीन दर्जन ग्रामीणों से उस समय कही, जब वह मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुए, जहां उन्होंने अपनी बस्ती में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर धरना दिया। बताया गया है कि इस बस्ती में करीब 40 परिवार निवास करते हैं जिनकी आबादी करीब 300 के आसपास है। लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते इस बस्ती को मूलभूत सुविधाओं से अछूता रखा गया है। इस बस्ती में पिछले करीब 3 महीना से विद्युत आपूर्ति ध्वस्त पड़ी हुई है और ग्रामीण अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें मिट्टी का तेल अब मिलता नहीं और एक दिन में करीब 30 रुपए के आसपास की मोमबत्तियां जल जाती हैं। इतना ही नहीं इस बस्ती की प्यास बुझाने के लिए करीब चार हेड पंप लगे हुए हैं लेकिन सभी हैंडपंप लगभग खराब पड़े हुए हैं सिर्फ एक हेड पंप कुछ हद तक संचालित है जिससे पूरी बस्ती पानी भर्ती है और वह भी जर्जर स्थिति में है। इन दोनों ही मामलों को लेकर वह कई बार ग्राम प्रधान के साथ-साथ ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से संपर्क कर लिखित रूप से ज्ञापन भी दे चुके हैं लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई और आज तक ना तो उनकी बस्ती में विद्युत आपूर्ति सुचारु हो पाई है और नई हेड पंपों की मरम्मत कराई गई है। इतना ही नहीं बस्ती में रहने वाले अधिकतर लोगों के ना तो आधार कार्ड बने हैं और ना ही अधिकतर लोगों को प्रधानमंत्री आवास की सुविधा मिल पाई है। इन सभी समस्याओं की सुनवाई जब ग्राम प्रधान और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा नहीं की गई तब सभी ग्रामीण जिला अधिकारी कार्यालय पर पहुंचे जहां उन्होंने करीब 1 घंटे तक धरना दिया और डीएम को ज्ञापन देकर अपने बस्ती की विद्युत आपूर्ति को सुचारु करने और सभी हेड पंपों की मरम्मत कराए जाने के साथ-साथ बस्ती वालों के आधार कार्ड और प्रधानमंत्री आवास बनवाने की मांग उठाई। दिए गए ज्ञापन पर जसराथ घनश्याम प्रवेश पाल राजू राजाराम फूल सिंह श्यामलाल गोमती हरिदास शकुंतला गिरजा कल भवन सहित एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों की हस्ताक्षर बनी हुई है।

भू-माफिया और लेखपालों के गठजोड़ का पर्दाफाश

किसान की 59 डिसिमिल जमीन हड़पने की कोशिश, 6 पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को शर्मसार कर देने वाला एक बड़ा भू-माफिया व राजस्व अधिकारियों की सांठगांठ का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम मसीराकलां में पीड़ित किसान जयप्रकाश तिवारी की बहुमूल्य पैतृक भूमि को हड़पने के लिए सरकारी तंत्र और भू-माफियाओं ने मिलकर एक संगठित षड्यंत्र रचा। राष्ट्रीय राजमार्ग में भूमि अधिग्रहण के बाद राजस्व रिकॉर्ड की खामियों का बेजा फायदा उठाते हुए मात्र 11 डिसमिल हिस्सेदारी वाले एक सह-काश्तकार ने कूट रचित दस्तावेजों के जरिए लगभग 59 डिसमिल जमीन का अवैध सौदा निर्मल कुमार जैन नामक व्यक्ति से कर दिया। इस पूरे गोरखधंधे में सबसे हैरान करने वाली भूमिका सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की रही। पीड़ित का आरोप है कि समाधान दिवस से लेकर प्रशासनिक चौखट तक लगातार गुहार लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। हद तो तब हो गई जब उप-जिलाधिकारी के निरीक्षण आदेश की आड़ में चकबंदी अधिकारी जनमेजय सक्सेना, राजस्व निरीक्षक अनिल श्रीवास्तव और लेखपालों दीनदयाल मिश्रा व आशीष शर्मा की टीम ने भू-माफियाओं से सांठगांठ कर ली। 14 नवंबर 2025 को इस राजस्व व चकबंदी टीम ने बिना किसी सक्षम आदेश के किसान की लहलहाती खड़ी फसल में जबरन चूना और जरीब डालकर अवैध पैमाइश की। जब पीड़ित किसान के परिजनों ने इसका विरोध किया, तो खाकी और प्रशासनिक ताकत का धौंस दिखाकर उन्हें सीधे जेल भिजवाने की सीधी धमकी दी गई। पुलिस प्रशासन के चौखट पर न्याय न मिलने के बाद आखिरकार पीड़ित को अदालत की शरण लेनी पड़ी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के कड़े रुख के बाद कोतवाली में बीएनएस की धोखाधड़ी, साजिश और आपराधिक धमकी की गंभीर धाराओं 318(4), 61(2) व 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है। सरकारी संरक्षण में किसान की जमीन हड़पने के इस बड़े खुलासे से पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। अगर ऐसे ही अन्य मामलों की परतें खोली जाए तो अनगिनत मामले सामने आएंगे जिसमें लेखपालों के सांठगांठ की बू आएगी।

संक्षिप्त खबरें

बुद्धवार तिराहे के पास 20 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेहरूनगर चौकी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को 20 टेट्रापैक अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार मुचलके पर रिहा कर दिया है। बताया गया है कि नेहरूनगर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अंकित कौशिक आरक्षी योगेन्द्र कुमार और आशीष कुमार के साथ अम्बेडकर तिराहे के पास एक प्रार्थना पत्र की जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति सफेद रंग का प्लास्टिक का बोरा लेकर जेल रोड से बुद्धवार की ओर अवैध देशी शराब ले जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बुद्धवार तिराहे के पास घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान नेहरूनगर बी केबिन के पास निवासी आकाश परिहार पुत्र खुशीलाल परिहार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद सफेद प्लास्टिक के बोरे से 200-200 मिलीलीटर के 20 टेट्रापैक देशी शराब (रसभरी मार्का) बरामद हुए।

खेत पर उर्द की फ़सल में काम करते समय जहरीले कीड़े के काटने से हुई मौत

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बा नाराहट निवासी 51 वर्षीय जगदीश पुत्र राम लाल सोमवार की दोपहर अपने खेत पर उर्द की फसल की देखभाल करने के लिए गया हुआ था। बताया गया है कि जब वह खेत में उर्द की फसल में काम कर रहा था, तभी उसे ऐसा एहसास हुआ कि उसे किसी कीड़े ने काट लिया है। जिसके बाद वह शाम 5:00 बजे करीब अपने घर लौट आया और जहरीले कीड़े की काटने की बात उसने परिजनों को बताई। इस दौरान उसकी हालत में परिजनों ने पहले तो गांव में ही उसकी झाड़ फूंक कराई और जब करीब 4 घंटे तक झाड़फूंक करने के बाद उसकी हालत में सुधार नहीं आया, बल्कि उसकी हालत और बिगड़ गई, तब उसके परिजनों ने उसे इलाज के लिए रात्रि करीब 11 बजे ललितपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने बुजुर्ग मृतक घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने मृतक किसान के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

श्री सिद्धपीठ चंडी मंदिर धाम पर हुआ संत सम्मेलन का आयोजन

देश के कई हिस्सों से आये महामण्डलेश्वर व संतो ने दिये प्रवचन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

श्री सिद्धपीठ चंडी मंदिर धाम पर चल रहे सवा पांच करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण आयोजन में मंगलवार को देश के कई हिस्सों से संतो का आगमन हुआ है। संतो द्वारा आयोजित संत सम्मेलन में भाग लिया गया। जहां पर विभिन्न मुद्दो पर उनके द्वारा अपनी बात रखी गयी। संत सम्मेलन में चंडी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी चंद्रेश्वर गिरी महाराज, पूज्य दंडी स्वामी श्री राधारमण दास जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी आदित्यानांद जी महाराज, महामण्डलेश्वर रामेश्वरदास जी महाराज, महंत स्वामी हरीशपुरी जी महाराज, महंत स्वामी विवेक भारती जी महाराज, महंत विज्ञानांनद सरस्वती जी महाराज, कथा व्यास चन्द्रभूषण पाठक, जगदगुरू कृष्णगिरी जी महाराज, महंत सर्वानंद जी महाराज व गौरव भारती जी महाराज ने प्रवचन दिये।

तत्पश्चात सत्संग करते हुए अनंतविभूषित चंडीपीठाधीश्वराचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी चन्द्रेश्वर गिरि महाराज ने कहाकि धरा पर भगवान नारायण सर्वव्यापी हैं। उनके स्मरण से भक्त का कल्याण होता हैं। अजामिल ने नारायण का स्मरण करते मृत्यु के भय से मुक्ति मिल गई थीं। भक्त प्रहलाद की भक्ति से अभिभूत होकर स्वयं नारायण ने नृसिंह अवतार लिया और हिरण्यकश्यप का वध कर प्रहलाद की रक्षा की व धरा पर धर्म की स्थापना की।भक्त प्रहलाद ने भगवान की नारायण घकी नवधा भक्ति की।नवधा भक्ति के बारे में बताते हुए।उन्होंने कहाकि शास्त्रों व वेदों में भक्ति ने 9 प्रकार बताये गयें हैं जिसे नवधा भक्ति कहतें हैं। श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवनम, अर्चन, वंदन, दास्य, सख्य व आत्मनिवेदनम यह नवधा भक्ति कहलाती। जो भक्त इस प्रकार से भक्ति करता हैं।उसका जीवन सफल हो जाता हैं। संतों का का संग पाकर जड़-मूर्ख व्यक्ति भी धर्म व सत्य की राह पर आ जाता हैं। यथा पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है। संत उन्हें कहा जाता है, जो व्यक्ति को परमात्मा का प्रकाश दिखा दें-उसे आत्मा की ओर उन्मुख कर दें, सद्गुरु से परिचय करा दें। संतों का हृदय नवनीत के समान होता है। जीवमात्र के भगवान उनके मन में दया होती है-अगाध प्रेम होता है। हम परमपूज्य गुरुदेव का स्मरण ऐसे संत के रूप में करते हैं, जिनके सान्निध्य में आकर अनेकों लोग बदलते चले गए, उनके दुख मिटते चले गए। सत्संग की महिमा अपरम्पार है एवं जिसे यह प्राप्त हो गया, वह नवधाभक्ति के प्रथम प्रसंग के माध्यम से भगवत्कृपा का पात्र बन गया। उन्होंने कहाकि भगवान ने श्रीमद्भागवत में कहा है-मैं वहाँ रहता हूँ जहाँ मेरे भक्त मेरी चर्चा करते हैं। भक्ति साधना में सबसे सुलभ मार्ग है-भगवान के लीला-प्रसंगों का चिंतन कर-गुणगान कर उनमें मन को लगा देना। श्रीरामचरितमानस की महाआरती कथा यजमान डॉ0 अनूप श्रीवास्तव व डा0 रानी श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले, विजय जैन कल्लू, ज्योति कल्पनीत लोधी, गिरीश खरे, बृजमोहन संज्ञा, अनूप मोदी, राहुल शुक्ला, विवेक जैन जिमी, अश्विनी पुरोहित, रमाकांत तिवारी, कृपा शंकर व्यास, शत्रुधन यादव, रामकृपाल गुप्ता, लक्ष्मीनारायण साहू, संतोष साहू, डॉ अनूप श्रीवास्तव, बाबा हीरानंद गिरी, सर्वेश्वर गिरी मनीष झां, दिनेश पाठक, मनीष कुमार दुबे आदि उपस्थित रहें।

सर्व ब्राह्मण विकास परिषद की बैठक सम्पन्न

संगठन विस्तार और विभिन्न मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति तय

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सर्व ब्राह्मण विकास परिषद की सामान्य बैठक सिद्धश्री तुवन हनुमान मंदिर धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों तथा विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक मुद्दों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता पं.बृजमोहन संज्ञा ने की। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय रावत तथा विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री सुबोध गोस्वामी रहे। बैठक का शुभारंभ उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा भगवान परशुराम के जयघोष के साथ हुआ। इसके बाद सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपना परिचय एवं नवदायित्व की जानकारी दी। उपस्थित सदस्यों ने निर्धारित पंजिका में अपना नाम, मोबाइल नंबर दर्ज करते हुए हस्ताक्षर भी किए। बैठक में दायित्वधारियों एवं मातृशक्ति की ओर से संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिन पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी समितियों के सदस्य 10 सितंबर से पूर्व अपनी-अपनी समितियों का विस्तार करेंगे। नव चयनित सदस्यों की फोटो, पूरा नाम एवं मोबाइल नंबर संगठन को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि प्रस्तावित नामों को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास भेजकर उनका विधिवत मनोनयन कराया जा सके। बैठक में गोरखपुर में हुए शिवकुमार तिवारी हत्याकांड का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सदस्यों ने संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया। इसके साथ ही यूजीसी से संबंधित मुद्दों तथा आरक्षण के विरोध में भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। संगठन की गतिविधियों को नियमित एवं प्रभावी बनाने के लिए यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को दोपहर 12 बजे से मासिक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य रखने पर सहमति बनी। बैठक में महिला जिलाध्यक्ष रितु समाधिया एवं युवा अध्यक्ष दीपक पस्तोर ने भी अपने विचार एवं सुझाव रखे। संचालन क्षेत्रीय महामंत्री सुबोध गोस्वामी ने किया। अंत में जिलाध्यक्ष बृजमोहन संज्ञा ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में ललितपुर के दूध के हलवे का जलवा

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में डीएम ने उद्यमियों की समस्याएं सुनीं

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिले के स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। ग्रेटर नोएडा में सितंबर माह में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में ललितपुर के दूध के हलवे का प्रदर्शन किया जाएगा। एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओपी) योजना के तहत जिले से दूध के हलवे का चयन किया गया है। इसके प्रेजेंटेशन के लिए व्यापारी बृजेश जैन को भेजा जा रहा है। यह जानकारी जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में दी गई। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि पर जनपदवासियों और उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि ललितपुर के स्थानीय उत्पादों को देश-विदेश में पहचान और बाजार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले के विशिष्ट कृषि उत्पादों सरवती गेहूं और उड़द की दाल की जीआई टैगिंग कराने के निर्देश उप कृषि निदेशक को दिए। उन्होंने कहा कि ललितपुर के सरवती गेहूं और उड़द की दाल में विशेष पोषक तत्व पाए जाते हैं। जीआई टैगिंग होने के बाद इन उत्पादों को देश-विदेश में विशिष्ट पहचान मिलेगी और इसका सीधा लाभ स्थानीय किसानों एवं उद्यमियों को मिलेगा। जिलाधिकारी की इस पहल से प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही उद्यमी और किसान वर्ग में भी उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि जीआई पहचान मिलने से जिले के पारंपरिक एवं कृषि उत्पादों के लिए नए बाजार खुलेंगे तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर भी बढ़ेंगे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एक-एक कर उद्यमियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए। औद्योगिक आस्थान चंदेरा में विद्युत समस्या के संबंध में अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के भीतर औद्योगिक इकाइयों का उनके विद्युत लोड के अनुसार सर्वे कराया जाए तथा निर्धारित उपकरण एमसीसीबी एवं यूसीसीबी की स्थापना की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने औद्योगिक संगठनों और उद्यमियों से अपनी-अपनी इकाइयों में अग्निशमन संयंत्र संबंधी कार्यों को तेजी से पूर्ण कराने की अपेक्षा की। इसके अलावा औद्योगिक आस्थान चंदेरा में ड्रेनेज सिस्टम के निर्माण कार्य को प्रारंभ कराने के लिए कार्यदायी संस्था को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उपजिलाधिकारी, अग्निशमन अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, वरिष्ठ निरीक्षक बाट-माप, अधिशासी अभियंता विद्युत एवं जल निगम, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, खनन अधिकारी सहित उद्यमी मुकेश जैन, नीतेश कुमार जैन, संतोष इमलिया, अशोक अनौरा समेत अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

4.5 लाख रुपये हड़प कर बदनाम करने की धमकी

20 साल से व्यापारी के यहां चला रहा था कार

ललितपुर। तालाबपुरा निवासी एक प्रतिष्ठित व्यापारी को कथित तौर पर एडवांस में लिए गए करीब 4 से 4.5 लाख रुपये वापस न करने, अभद्र मैसेज भेजने तथा धमकी देकर छवि धूमिल करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। तालाबपुरा निवासी रविंद्र कुमार जैन (अलया) ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि आजादपुरा तुवन मंदिर के पास निवासी कल्याण रैकवार पुत्र स्व. जानकी प्रसाद पिछले करीब 20 वर्षों से उनके यहां कार चालक के रूप में कार्य करता था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, चालक ने अपनी बेटियों की शादी, माता और भाई के इलाज सहित अन्य घरेलू जरूरतों के लिए समय-समय पर उनसे करीब चार से साढ़े चार लाख रुपये एडवांस के तौर पर लिए थे। आरोप है कि पिछले कुछ समय से चालक गलत संगत में पड़कर शराब का सेवन करने लगा और उसका व्यवहार भी बदल गया। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि एडवांस रकम वापस न करनी पड़े, इसके लिए आरोपी व्यापारी और उनके परिवार के सदस्यों को फोन एवं वॉयस मैसेज के माध्यम से कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग कर धमकाने लगा। शिकायतकर्ता के अनुसार, 23 अगस्त 2026 की शाम आरोपी ने उनके पुत्र को वॉयस मैसेज भेजकर धमकी दी कि यदि दूसरा ड्राइवर रखा गया तो वह अपने साथियों से हमला करवा देगा। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी मंदिरों में पर्चे छपवाकर परिवार को बदनाम करने तथा स्वयं आत्महत्या कर परिवार के सदस्यों को जिम्मेदार ठहराने की धमकी दे रहा था। साथ ही रिश्तेदारों और अन्य व्यापारियों को फोन कर उनके साथ भी कथित रूप से अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी कल्याण रैकवार के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(2), 352 और 351(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ललितपुर के यात्री का आईफोन-16 चोरी

शताब्दी एक्सप्रेस का प्लेटफॉर्म पर इंतजार करते समय लोअर की जेब से मोबाइल गायब

ललितपुर। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शताब्दी एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे ललितपुर के एक यात्री का कीमती आईफोन-16 चोरी होने का मामला सामने आया है। यात्री की शिकायत पर जीआरपी थाना ललितपुर में अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। राजपूत कॉलोनी, डैम रोड, आजादपुरा निवासी मुकुल चतुर्वेदी पुत्र विनोद कुमार चतुर्वेदी ने जीआरपी थाने में दी तहरीर में बताया कि वह 24 अगस्त 2026 को नई दिल्ली से ललितपुर आने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-01 पर शताब्दी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12002) का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान स्टेशन पर मौजूद भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके लोअर की जेब से काले रंग का आईफोन-16 कथित रूप से चोरी कर लिया। पीड़ित के अनुसार, मोबाइल में एयरटेल और जियो की दो सिम कार्ड भी लगी हुई थीं। कुछ समय बाद जब उन्होंने अपनी जेब टटोली तो मोबाइल गायब मिला। आसपास तलाश करने के साथ ही उन्होंने घटना की जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद ललितपुर पहुंचने पर उन्होंने जीआरपी थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई। तहरीर के आधार पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत चोरी का मुकदमा दर्ज किया है।

महरौनी मार्ग पर दर्दनाक हादसा

टैक्सी पलटने से युवक की मौत, मां-बहन समेत पांच घायल

» सोनीपत से मजदूरी कर परिवार के साथ लौट रहा था युवक

» मसौरा कलां के पास हुआ हादसा, चालक मौके से फरार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

हरियाणा के सोनीपत से मजदूरी कर अपने गांव लौट रहे एक परिवार के लिए मंगलवार की सुबह दर्दनाक हादसे में बदल गई। महरौनी मार्ग पर ग्राम मसौरा कलां के पास तेज रफ्तार टैक्सी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां, बहन समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद टैक्सी चालक मौके से फरार हो गया। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के थाना भगवा क्षेत्र के ग्राम अमरवां निवासी अन्नू अहिरवार पुत्र तिजाईयां अपनी 45 वर्षीय मां अंजू, बड़ी बहन रामकुंवर (22) तथा गांव के ही हरबल पुत्र टिल्लू, उनकी पत्नी सुनीता और नौ वर्षीय पुत्री कृष्णा के साथ करीब दो माह पूर्व हरियाणा के सोनीपत में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार सुबह सभी लोग मालवा ट्रेन से ललितपुर पहुंचे। यहां से अपने गांव अमरवां जाने के लिए उन्होंने एक टैक्सी बुक की और परिवार के साथ घर के लिए रवाना हुए।

बताया गया कि सुबह करीब सात बजे टैक्सी महरौनी मार्ग पर ग्राम मसौरा कलां के पास पहुंची थी। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और टैक्सी सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में टैक्सी में सवार सभी लोग घायल हो गए। घायल अंजू ने आरोप लगाया कि चालक एक हाथ छोड़कर वाहन चला रहा था, जिसके चलते टैक्सी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों की मदद से सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज ललितपुर पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने अन्नू अहिरवार को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। अन्नू की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता के अनुसार अन्नू तीन बहनों और दो भाइयों में सबसे छोटा था। मजदूरी कर परिवार के साथ घर लौट रहे अन्नू की अचानक मौत से गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी।

मड़ावरा में संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस की समीक्षा बैठक

» बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

» कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत मंगलवार को ब्लॉक मड़ावरा में ब्लॉक अध्यक्ष, न्याय पंचायत अध्यक्षों एवं बूथ अध्यक्षों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा.दयाराम रजक ने की, जबकि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री चंद्रभूषण सिंह बुंदेला (गुडडू राजा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री चंद्रभूषण सिंह बुंदेला ने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना आज की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य गांव, न्याय पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और आने वाले समय में कांग्रेस की मजबूती बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर निर्भर करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह लगातार जनता के बीच जाएं, उनकी समस्याओं को सुनें और उनके समाधान के लिए संघर्ष करें। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के लिए कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय और सक्रियता बेहद जरूरी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डा.दयाराम रजक ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जा रहा है। ब्लॉक, न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा करना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी मेहनत और एकजुटता के साथ जनता के बीच रहकर कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान बूथ स्तर की संगठनात्मक स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा एवं समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे। बैठक का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष साहब सिंह ने किया। इस अवसर पर मोहन सिंह चंदेल, रामभरोसे कुशवाहा, हरिओम पाठक, आदित्य तोमर, रामबाबू, सूरज कारीटोरन, भैया खटीक, मनोहर गाडोली, सुनील रजक, दुष्यंत सिंह, दरयाव सिंह बुंदेला, नन्नू राजा, मुन्नालाल रजक, जयराम सेन, जगदीश पटेल, प्रीतम अहिरवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंटर कॉलेज की छुट्टी के बाद छात्रों के दो गुटों में हुआ भीषण संघर्ष

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, अराजक तत्वों की शामिल होने की संभावना

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जहां एक ओर शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा दीक्षा देने का काम कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर विद्यार्थी आपसी गुटों में उलझ कर लड़ाई झगड़ा करते हैं और मारपीट करते हैं, जिससे कई संस्थानों की छवि धूमिल होती है । ऐसे ही एक मामले में शहर के एक इंटर कॉलेज के छात्रों के दो गुटों में हुए गाली गलौज मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें अराजक तत्वों की सम्मिलित होने की संभावना जताई जा रही है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें किसी विद्यालय कि छात्रों के दो गुटों में लड़ाई झगड़ा होता हुआ दिखाई दिया। जानकारी करने पर पता चला कि छात्रों के बीच हुई गाली गलौज मारपीट का वायरल वीडियो शहर के सदनशाह इलाके में स्थित एक इंटर कॉलेज के छात्रों का बताया गया है, जो कुछ दिन पुराना है। जानकारी मैं यह भी पता चला कि इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के बीच दो गुट चलते हैं, जिनमें किसी न किसी बात को लेकर आए दिन विवाद होता रहता है। बताया गया है कि करीब तीन दिन पूर्व इंटर कॉलेज की छुट्टी होने के बाद जब सभी विद्यार्थी अपने घर जा रहे थे, तभी रास्ते में दोनों गुटों के विद्यार्थी आपस में उलझ पड़े और सरेआम एक दूसरे के साथ गाली गलौज करते हुए एक दूसरे के साथ जमकर लाठी डंडा लात घुसो से मारपीट की गई। जब दोनों ही गुटों की विद्यार्थी घटना को अंजाम दे रहे थे, तब यह घटना पास में ही लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुई। हालांकि इस मामले में पुलिस की तरफ से समाचार लिखे जाने तक कोई कार्यवाही संज्ञान में नहीं आई थी। यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि छात्रों की लड़ाई झगड़े में अराजक तत्व भी शामिल हो सकते हैं।

ईद-ए-मिलाद के अवकाश के चलते बदला दिव्यांग बोर्ड का दिन, अब 25 अगस्त को होगा आयोजन

ललितपुर। ईद-ए-मिलाद/बारावफात के अवसर पर 26 अगस्त 2026 (बुधवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित होने के कारण जिला चिकित्सालय में आयोजित होने वाले दिव्यांग बोर्ड के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अब बुधवार को लगने वाला दिव्यांग बोर्ड एक दिन पूर्व 25 अगस्त 2026 (मंगलवार) को आयोजित किया जाएगा। सीएमओ की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सामान्यतः जिला चिकित्सालय की नवीन बिल्डिंग स्थित कक्ष संख्या 09 में प्रत्येक बुधवार को दिव्यांग बोर्ड का आयोजन किया जाता है। इस बार 26 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण बोर्ड का आयोजन निर्धारित दिन के बजाय मंगलवार को किया जाएगा। सीएमओ ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र भेजकर बोर्ड के सभी संबंधित सदस्यों को कार्यक्रम में हुए परिवर्तन की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जनहित को ध्यान में रखते हुए दिव्यांगजनों तक भी इस बदलाव की सूचना पहुंचाने की अपेक्षा की गई है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि निर्धारित दिन में परिवर्तन का उद्देश्य दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाना और बोर्ड की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करना है। ऐसे में दिव्यांग बोर्ड से संबंधित लाभार्थियों को 25 अगस्त को जिला चिकित्सालय की नवीन बिल्डिंग स्थित कक्ष संख्या 09 में पहुंचने की सलाह दी गई है।

त्योहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा टीमों की कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप

» नए बस स्टैंड क्षेत्र में नकली तेल का खुल्ला कारोबार

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

त्योहारी सीजन शुरू होते ही खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने दुकानों का भ्रमण और नमूने लेने की कार्रवाई तेज कर दी है। टीमों की आवाजाही से जहां छोटे दुकानदारों में हड़कंप की स्थिति है, वहीं नगर के नए बस स्टैंड क्षेत्र में कथित तौर पर नकली और घटिया खाद्य तेल की पैकिंग व बिक्री का कारोबार चलने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई नामी कंपनियों के नाम से मिलते-जुलते पैकेटों में तेल की बिक्री की जा रही है।

इनका कहना-

खाद्य निरीक्षक एसएएस निरंजन ने बताया कि नए बस स्टैंड तमाम जगह खाद्य वस्तुओं के नमूने भरे जाते हैं। त्योहारी सीजन पर मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री न हो इसके लिए कार्रवाई की जा रही है।

मिलावटी खाद्य वस्तुओं की रोकथाम के लिए जा रहे नमूने

900 एमएल की बोतल में 750 एमएल तेल का आरोप

स्थानीय स्तर पर यह भी शिकायतें सामने आई हैं कि कुछ पैकिंग में निर्धारित मात्रा से कम तेल भरे जाने के बावजूद पैकेट पर अधिक मात्रा दर्शाई जा रही है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार 900 एमएल की पैकिंग में करीब 750 एमएल तेल होने की बात सामने आई है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला केवल मिलावट तक सीमित न रहकर उपभोक्ताओं के साथ माप-तौल में धोखाधड़ी से भी जुड़ सकता है। ऐसे उत्पादों की जांच के लिए विभागीय स्तर पर नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे जाने की जरूरत है।

निजी व्यक्ति के जरिए वसूली का भी आरोप

कारोबारियों ने यह आरोप भी लगाया है कि विभागीय कार्रवाई के नाम पर एक निजी व्यक्ति के माध्यम से संपर्क और वसूली का प्रयास किया जाता है। इन आरोपों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सवाल यह है कि यदि कोई निजी व्यक्ति विभाग के नाम पर कारोबारियों से संपर्क कर रहा है तो उसकी भूमिका की जांच कौन करेगा और विभाग इस संबंध में क्या कार्रवाई करेगा।

नकली तेल के कारोबार पर कार्रवाई का इंतजार

त्योहारों के दौरान खाद्य तेल, मिठाई, मावा, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। नगर के नए बस स्टैंड क्षेत्र में कथित नकली तेल की पैकिंग और बिक्री के आरोपों की जांच कर वास्तविकता सामने लाना जरूरी है। खाद्य सुरक्षा विभाग यदि संबंधित प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर उनकी प्रयोगशाला जांच कराए और पैकिंग, मात्रा व ब्रांड की वैधता की जांच करे तो तस्वीर साफ हो सकती है।

‘माहवारी’ पहुंचने के आरोपों से विभाग की कार्यप्रणाली कठघरे में

खाद्य कारोबार से जुड़े कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि कुछ कारोबारियों से विभागीय स्तर पर नियमित ‘माहवारी’ पहुंचती है, जिसके चलते बड़े मिलावटखोरों पर कार्रवाई नहीं होती। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। यदि ऐसे आरोप सामने आ रहे हैं तो विभाग के उच्चाधिकारियों को निष्पक्ष जांच कराकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि ईमानदारी से कारोबार करने वाले दुकानदारों और उपभोक्ताओं का विश्वास बना रहे।

छोटे दुकानदारों की सैंपलिंग, बड़े कारोबारियों पर मेहरबानी

खाद्य सुरक्षा टीमों द्वारा लगातार छोटे दुकानदारों और फुटकर विक्रेताओं के यहां से नमूने लिए जाने की कार्रवाई हो रही है। हालांकि, कारोबारियों का सवाल है कि यदि विभाग को मिलावटी खाद्य पदार्थों के बड़े नेटवर्क की जानकारी है तो उसके स्रोत और थोक कारोबारियों पर भी प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई देती। आरोप लगाए जा रहे हैं कि छुटपुट दुकानदारों से नमूने लेकर कार्रवाई की औपचारिकता पूरी की जा रही है, जबकि बड़े कारोबारियों पर विभाग की नजर अपेक्षाकृत कम है।

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

» बैरक से मेस तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

» सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने मंगलवार को जिला कारागार की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने 25 अगस्त 2026 को जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने कारागार परिसर का भ्रमण करते हुए बैरकों, मेस तथा अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के अचानक निरीक्षण से कारागार प्रशासन में भी सतर्कता देखने को मिली। अधिकारियों ने कारागार की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित बनाए रखने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

संक्षिप्त खबरें

शहजाद डैम में महिला का शव मिलने से सनसनी

तालबेहट। शहजाद डैम के बारीकला क्षेत्र में मंगलवार सुबह पानी में एक महिला का शव तैरता मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान ग्राम रामपुर मजरा बड़ाहार निवासी लक्ष्मी सहरिया (21) पत्नी नंदराम सहरिया के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार लक्ष्मी 24 अगस्त को दोपहर करीब एक बजे घर से निकली थी। देर तक वापस नहीं लौटने पर पति ने उसकी तलाश शुरू की थी। परिजनों द्वारा पुलिस चौकी या थाने में गुमशुदगी की सूचना नहीं दी गई थी। मंगलवार सुबह शहजाद डैम के पानी में महिला का शव तैरता मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। तहसीलदार तालबेहट की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दरवाजे की सफाई को लेकर विवाद, मारपीट, 3 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टेटा मजरा हसारी निवासी दिनेश यादव ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में गांव के तीन लोगों पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार 24 अगस्त की दोपहर करीब 1:20 बजे वह अपने घर के दरवाजे के सामने खड़ा था। इसी दौरान गांव के दातार, अजय और अभिषेक वहां पहुंचे और दरवाजे की साफ-सफाई व कूड़ा फेंकने को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि बीच-बचाव करने आए उसके भाई भगवानदास के साथ भी मारपीट की गई। साथ ही धारदार हथियार से हमला करने से उसके हाथ में चोट आई। पीड़ित ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवाओं के सपनो और प्रशासन के संकल्प के बीच सशक्त सेतु बनाने के लिए “सीधा युवा संवाद कार्यक्रम” का जीजीआईसी में हुआ आयोजन

» छात्राओं के कैरियर, अनुशासन, साइबर अपराध और उद्यमिता से जुड़े सवालों का डीएम ने सारगर्भित उत्तर देकर किया मार्गदर्शन

» अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता को पहचानते हुए जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें युवाः डीएम

» युवा केवल नौकरी की तलाश करने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनने की दिशा में सोचें: डीएम

» असफलता को सीख के रूप में स्वीकार कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए डीएम ने छात्राओं को किया प्रेरित

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने आज मंगलवार को राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज के सभागार में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की छात्राओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान छात्राओं ने कैरियर, शिक्षा, आत्मविश्वास, साइबर अपराध, जीवन के लक्ष्य तथा रोजगार सहित विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल जिलाधिकारी के समक्ष रखें, जिनकों जिलाधिकारी ने सहजता और सारगर्भित उत्तर देते हुए छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जब प्रशासन और युवा एक मंच पर आकर संवाद करते हैं तो यह केवल प्रश्न और उत्तर का कार्यक्रम नहीं होता, बल्कि युवाओं के सपनो और प्रशासन के संकल्प के बीच एक सशक्त सेतु बनता है, ऐसे संवादों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की एक मजबूत इबारत लिखी जाती है। उन्होंने छात्राओं को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, सकारात्मक सोच, निरंतर सीखने की प्रवत्ति और स्पष्ट लक्ष्य को आवश्यक बताते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करते समय अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता को पहचानना बेहद जरूरी है। केवल दूसरों को देखकर कैरियर का चुनाव न करें, बल्कि अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुरूप अपने क्षेत्र का चयन करें।

कार्यक्रम में इण्टरमीडिएट विज्ञान व कला वर्ग की छात्राओं मेघा, दीपिका, नन्दनी, अनुष्का, पलक राजपूत, मेघा परिहार, अंशिका, नन्दनी ने कैरियर, शिक्षा, आत्मविश्वास, साइबर अपराध, जीवन के लक्ष्य तथा रोजगार सहित विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल जिलाधिकारी के समक्ष रखे, जिनकों जिलाधिकारी ने सहजता और विस्तार से उत्तर देते हुए छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

जिलाधिकारी ने एक छात्रा के प्रश्न के उत्तर में आज के दौर में बड़ते साइबर अपराधों का उल्लेख करते हुए छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया। उन्होंने कहा कि तकनीकि हमारे जीवन को सरल बनाने का माध्यम है, लेकिन इसका उपयोग करते समय सावधानी भी उतनी ही आवश्यक है। किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी, पासवर्ड एवं अपनी व्यक्तिगत जानकारी व फोटो किसी के साथ साझा न करने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने एक और छात्रा के प्रश्न के जवाब में कहा कि आत्मविश्वास किसी पद या परिस्थिति से नहीं बल्कि अपनी क्षमताओं पर विश्वास और निरंतर प्रयास से पैदा होता है। छात्राओं को असफलताओं से निराश न होकर उन्हें सीख के रूप में स्वीकार करने और लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी ने छात्राओं को बदलते रोजगार परिदृश्य की जानकारी देते हुए कहा कि आज के युवा केवल नौकरी की तलाश करने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनने की दिशा में सोंचे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए अनेक अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। छात्राओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना सहित स्टार्टअप एवं स्वरोजगार से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि एक युवा का सफल उद्यम केवल उसके अपने भविष्य को बेहतर नहीं बनाता, बल्कि वह अन्य युवाओं के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करता है।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत जीआईसी एवं जीजीआईसी में विशेष कैरियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित कराये जायें। इन सत्रों में छात्र-छात्राओं को प्रशासनिक सेवाओं, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून, शिक्षा, बैंकिंग, तकनीकि क्षेत्र, उद्यमिता सहित कैरियर के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सम्भावनाओं तथा उन्हें प्राप्त करने की तैयारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं सामान्य पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए उचित मार्गदर्शन तथा अवसर मिलना चाहिए। जिला प्रशासन का प्रयास है कि जनपद में युवा अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ें और ललितपुर का नाम प्रदेश एवं देश में रोशन करें। कार्यक्रम में डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य ने भी छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्हें अपनी रुचि व क्षमताओं के आधार पर अपना कैरियर चुनने और अनुशासनिक व धैर्यवान रहकर अपने लक्ष्य पर फोकर करने के लिए प्रेरित किया। अंत में कार्यक्रम के आयोजक जिला विद्यालय निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने छात्राओं से कहा कि बड़े सपने देखिए, अपने लक्ष्य को स्पष्ट कीजिए और उसे हासिल करने के लिए ईमानदारी से निरंतर प्रयास कीजिए। उन्होंने कहा कि अगर अफ्रीका के नेलसन मण्डेला 27 वर्ष जेल में रहकर उसी देश के राष्ट्रपति हो सकते हैं और अर्द्धनग्न फकीर सा एक नागरिक महात्मा गांधी भारत की मुद्रा पर छप सकता है तो कुछ भी हो सकता है। इसलिए परिस्थितियां चाहे जैसी हों, यदि संकल्प मजबूत है तो सफलता का रास्ता अवश्य निकलता है। कार्यक्रम का संचालन जिला विज्ञान क्लब से राहुल जैन ने किया। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, प्रधानाचार्य जीजीआईसी किरन वर्मा सहित विद्यालय के सभी अध्यापक-अध्यापिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

नवचयनित प्राविधिक सहायक ग्रुप-‘सी’ नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश शासन एवं कृषि विभाग के निर्देशानुसार जनपद ललितपुर में नवचयनित प्राविधिक सहायक ग्रुप-‘सी’ के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन, सभाकक्ष, ललितपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन जी रहे। कार्यक्रम में राज्य मंत्री, श्रम एवं सेवा योजन के प्रतिनिधि चन्द्रशेखर पंथ, एम.एल.सी. (शिक्षक विधायक) प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी, सदर विधायक प्रतिनिधि श्रीकान्त कुशवाहा (उप सभापति, जिला सहकारी बैंक), मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान एवं जिला कृषि अधिकारी रंजीत कुमार चौरसिया, डा0 सरस कुमार तिवारी भूमि संरक्षण अधिकारी महरौनी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सन्दीप खरे, वरिष्ठ सहायक, कृषि विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम लखनऊ से आयोजित लाइव स्ट्रीमिंग कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के उद्बोधन एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सुनकर किया गया। इसके उपरान्त जनपद स्तरीय कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी रंजीत कुमार चौरसिया द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि, प्राविधिक सहायक ग्रुप-‘सी’ की भर्ती में जनपद ललितपुर के लिए कुल 14 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 13 महिला अभ्यर्थी एवं 01 पुरूष शामिल हैं। इसके पश्चात नवचयनित अभ्यर्थियों सुश्री प्रिन्सी सिंह, सुश्री आयुषी शर्मा, सुश्री आकृति नायक, सुश्री सुरभि, सुश्री अंजली राजपूत, सुश्री तपस्या तिवारी, राहुल कुमार चौबे, सुश्री आरती चतुर्वेदी, सुश्री आस्था जैन, सुश्री निकिता साहू, सुश्री अनुराधा, सुश्री चंचल लक्ष्मी लोधी, सुश्री सलोनी एवं सुश्री रोशनी का नाम क्रमवार लेते हुये उन्हें उपस्थित जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने हेतु आमंत्रित किया गया। प्रत्येक नवचयनित अभ्यर्थी का उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, परिजनों एवं उपस्थित जनसमुदाय द्वारा उत्साहवर्धन एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अभ्यर्थियों के माता-पिता एवं गौरवान्वित परिजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक प्रतिनिधि श्रीकान्त कुशवाहा ने सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एम.एल.सी. (शिक्षक विधायक) प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें पूरी निष्ठा के साथ राजकीय सेवा करने के लिए प्रेरित किया। राज्य मंत्री, श्रम एवं सेवा योजन के प्रतिनिधि चन्द्रशेखर पंथ ने कहा कि नवचयनित अभ्यर्थियों को राजकीय सेवा में केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों को भी समझते हुए सेवा भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन ने नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थी सेवा भाव एवं पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें, जिससे जनपद के कृषकों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण हो तथा ललितपुर की कृषि व्यवस्था और अधिक समृद्ध एवं सुदृढ़ हो सके।

भारतीय किसान संघ की बैठक में किसानों की समस्याओं पर मंथन

15 सितंबर को जिला मुख्यालय पर होगा धरना-प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारतीय किसान संघ की आवश्यक बैठक क्षेत्र संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश एवं उत्तरांचल शिवाकांत के मुख्य आतिथ्य एवं मार्गदर्शन में जिला उपाध्यक्ष कृपाल सिंह लोधी के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके निराकरण के लिए चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति तय की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले की समस्याओं को चिन्हित करने के लिए ब्लॉक स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित कर किसानों की समस्याओं को संग्रहित किया जाएगा। इसके बाद आगामी 15 सितंबर को जिला मुख्यालय पर वृहद धरना-प्रदर्शन आयोजित कर जिलाधिकारी को किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके अलावा 17 सितंबर को भगवान बलराम जयंती मनाने तथा 30 सितंबर को प्रस्तावित महिला सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। भाकिसं प्रांत मंत्री एवं ललितपुर प्रभारी शिवराज सिंह निरंजन ने कहा कि भारतीय किसान संघ का प्रत्येक कार्यकर्ता किसानों की समस्याओं को अपनी व्यक्तिगत पीड़ा समझकर उनके समाधान के लिए कार्य करे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। प्रांतीय उपाध्यक्ष केहरसिंह बुंदेला ने कहा कि जिले में किसानों से जुड़ी अनेक समस्याएं हैं। इनके निराकरण के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को ग्राम पंचायत स्तर पर बैठक कर किसानों की समस्याओं को सामने लाने और संगठनात्मक दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की आवश्यकता है। बैठक में वक्ताओं ने भारतीय किसान संघ के संगठनात्मक इतिहास पर भी प्रकाश डाला। बताया गया कि भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को हुई थी और संगठन के अनुसार यह विश्व का सबसे बड़ा किसान संगठन है, जिसके 50 लाख से अधिक सदस्य हैं। इस दौरान जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह बुंदेला, जिला मंत्री हरपाल सिंह प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष कृपाल सिंह लोधी, सोहनलाल विश्वकर्मा, जिला मीडिया प्रभारी नवीन जैन थनवारा, जिला सहमंत्री कृष्णकांत, अनुराग, बेंद्र सिंह, वीरन सिंह यादव, हरिओम निरंजन, सुखनंदन, गजेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, लाल सिंह, विजय सिंह, वीरेंद्र कुमार जैन, सोनू, तिलक सिंह मड़ावरा, जनक सिंह, राघवेंद्र सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, देशराज सिंह एड., महेंद्र गौतम, जन्मेजय सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से नौवीं कक्षा का छात्र गंभीर

» आम के पेड़ के पास वज्रपात से हुआ हादसा

» ललितपुर मेडिकल कॉलेज से झांसी रेफर

ललितपुर। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम बंट में मंगलवार को बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से नौवीं कक्षा का 14 वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। छात्र का झांसी में उपचार जारी है।

ग्राम बंट निवासी सुरेंद्र पुत्र पन्ना नौवीं कक्षा का छात्र है। मंगलवार सुबह से क्षेत्र में तेज बारिश हो रही थी, जिसके चलते वह स्कूल नहीं गया और घर पर ही था। परिजनों के मुताबिक सुबह करीब 9.30 बजे से बारिश शुरू हो गई थी। लगभग 11.30 बजे सुरेंद्र घर के बाहर बाथरूम के लिए निकला था। बताया गया कि घर के पास स्थित एक आम के पेड़ पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में सुरेंद्र भी आ गया। बज्रपात की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही अचेत हो गया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई और वह तत्काल घायल छात्र को लेकर ललितपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। परिजन दोपहर करीब एक बजे छात्र को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। चिकित्सकों ने आपातकालीन कक्ष में उसका प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर झांसी रवाना हो गए, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद छात्र के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में भी चिंता और मातम का माहौल बना हुआ है। बारिश के दौरान हुए इस हादसे ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया है।

जमीन हड़पने और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के आरोप में छह पर मुकदमा

ललितपुर। जमीन के फर्जी बैनामे, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने तथा राजस्व एवं चकबंदी विभाग के कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से भूमि पर कब्जा कराने के मामले में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और धमकी समेत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। ग्राम मसौराकलां निवासी जयप्रकाश तिवारी की ओर से न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उनकी पारिवारिक आराजी संख्या 353/3, जिसका कुल रकबा 0.316 हेक्टेयर है, का कुछ हिस्सा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए अधिग्रहित किया गया था। अधिग्रहित भूमि का मुआवजा और बैनामा होने के बाद शेष भूमि संबंधित भाइयों के हिस्से में रह गई थी। आरोप है कि राकेश पुत्र सत्यनारायण निवासी मसौराकलां को भूमि की वास्तविक स्थिति की जानकारी होने के बावजूद उसने अपने हिस्से से अधिक भूमि का कथित रूप से गलत तरीके से लक्ष्मीपुरा निवासी निर्मल कुमार जैन पुत्र लक्ष्मीचंद्र जैन के पक्ष में बैनामा कर दिया। शिकायतकर्ता ने इस मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की थी। शिकायत के मुताबिक, उपजिलाधिकारी के आदेश पर भूमि की पैमाइश के लिए राजस्व और चकबंदी विभाग के कर्मचारियों की टीम गठित की गई। आरोप है कि पैमाइश के दौरान संबंधित कर्मचारियों ने निर्मल कुमार जैन से कथित सांठगांठ कर बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के धरातल पर गलत पैमाइश की तथा खड़ी फसल में चूना डालकर भूमि पर कब्जा दिलाने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने जब इस कार्रवाई का विरोध किया तो उसे पुलिस का भय दिखाते हुए जेल भिजवाने की धमकी भी दी गई।

गंदगी के ढेर में राष्ट्रीय ध्वज! पुरानी नगर पालिका में तिरंगे का अपमान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिस तिरंगे के सम्मान के लिए देश का हर नागरिक गर्व से खड़ा होता है, उसी राष्ट्रीय ध्वज को पुरानी नगर पालिका परिसर में कूड़े-कचरे और गंदगी के बीच पड़ा देख लोगों में नाराजगी फैल गई। नगर पालिका परिसर में राष्ट्रीय ध्वज का इस तरह गंदगी में पड़ा होना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

मौके की तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि एक कूड़ेदान के आसपास प्लास्टिक, कचरा और अन्य गंदगी बिखरी पड़ी है। इसी गंदगी के बीच तिरंगे के रंग वाला कपड़ा पड़ा नजर आ रहा है। तस्वीर सामने आने के बाद लोगों का कहना है कि यदि यह राष्ट्रीय ध्वज है तो इसे सम्मानजनक तरीके से सुरक्षित रखने के बजाय कूड़े के बीच छोड़ना बेहद गंभीर लापरवाही है।

तस्वीर ने खोली व्यवस्था की पोल

कूड़ेदान के पास गंदगी, उसी के बीच राष्ट्रीय ध्वज जैसा कपड़ा पड़ा मिला। पुरानी नगर पालिका परिसर की तस्वीर सामने आने के बाद जिम्मेदारों की निगरानी और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति संवेदनशीलता पर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों ने तत्काल जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

नगर पालिका परिसर में ही नहीं बचा तिरंगे का सम्मान!

पुरानी नगर पालिका भवन जैसे सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की तस्वीर सामने आना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। जिस परिसर से शहर की सफाई और व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारियां तय होती हैं, वहीं यदि राष्ट्रीय ध्वज गंदगी के बीच पड़ा मिले तो आम जनता के बीच क्या संदेश जाएगा। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मामले की तत्काल जांच कराने और यह पता लगाने की मांग की है कि राष्ट्रीय ध्वज वहां तक कैसे पहुंचा। साथ ही यदि ध्वज क्षतिग्रस्त या उपयोग के योग्य नहीं था तो उसे नियमानुसार सम्मानपूर्वक निस्तारित क्यों नहीं किया गया, इसका भी जवाब जिम्मेदारों से मांगा जाना चाहिए।

जिम्मेदारों की लापरवाही पर उठे सवाल

तिरंगा महज कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की आन-बान-शान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। ऐसे में उसका कूड़े और गंदगी के बीच पड़ा दिखाई देना सामान्य लापरवाही नहीं माना जा सकता। लोगों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके का निरीक्षण कर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। अब सवाल यह है कि नगर पालिका प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है या फिर तिरंगे के अपमान की यह तस्वीर भी जिम्मेदारों की फाइलों में दबकर रह जाएगी?

महरौनी BRC की बदहाली से बच्चों की सुरक्षा पर सवाल

जलभराव और कीचड़ से मुख्य द्वार तक पहुंचना मुश्किल, मासूम बच्चों को भी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

महरौनी स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र (BRC) की बदहाल तस्वीरें शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही हैं। BRC के मुख्य प्रवेश द्वार तक पहुंचने वाला रास्ता कीचड़ और गड्ढों में तब्दील है, जबकि परिसर के भीतर बारिश का पानी जमा होने से आवागमन मुश्किल बना हुआ है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि BRC परिसर में संचालित विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चे भी इसी जलभराव और कीचड़ भरे रास्ते से स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। इससे बच्चों के फिसलने, चोटिल होने तथा गंदे पानी से संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

शिक्षकों का कहना है कि ग्रामीण विद्यालयों में अव्यवस्था मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाती है, लेकिन शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तरीय केंद्र की यह स्थिति जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती है। शिक्षकों ने BRC परिसर में जलनिकासी और आवागमन की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

आज 13 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट बंद रहने के कारण पेयजल आपूर्ति रहेगी प्रभावित

कसाई मंडी, बजरिया, कटरा बाजार, महावीरपुरा, सरदारपुरा आदि मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति होंगी प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश जल निगम, झांसी द्वारा अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने हेतु नवनिर्मित 1500 किलोलीटर क्षमता के भूमिगत जलाशय में 13 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट के क्लियर वाटर को जोड़ने का कार्य किया जाना है। उक्त कार्य के कारण दिनांक 26 अगस्त 2026 तक 13 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट बंद रहेगा। इसके फलस्वरूप कसाई मंडी स्थित पानी की टंकी दिनांक 26 अगस्त 2026 को बंद रहेगी।इस कारण कसाई मंडी, बजरिया, कटरा बाजार, महावीरपुरा, सरदारपुरा आदि मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहने की संभावना है। अतः संबंधित क्षेत्रों के समस्त सम्मानित नागरिकों से अपील है कि कृपया आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में पेयजल पूर्व में ही संचित कर लें तथा जल का समुचित उपयोग करें, जिससे उक्त अवधि में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संक्षिप्त खबरें

उचित दर विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। उचित दर विक्रेता के खिलाफ डीएम के अनुमोदन के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम 3/7 के तहत केस दर्ज किया गया है। लालगंज के पूर्ति निरीक्षक अमित कुमार शुक्ल ने लीलापुर पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि लक्ष्मणपुर विकासखण्ड के डांड़ी गांव में उचित दर विक्रेता राजकुमार तिवारी की खाद्यान्न की दुकान का सत्यापन कराया गया। इसके तहत दुकान के संचालन व खाद्यान्न को लेकर अनियमितता पायी गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने उचित दर विक्रेता राजकुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मानदेय व भत्ते को लेकर हाईकोर्ट के फैसले पर तदर्थ शिक्षकों ने जताई खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। तदर्थ शिक्षकों को मौजूदा समय में मिलने वाले मानदेय को लेकर हाईकोर्ट के हालिया निर्णय को लेकर शिक्षकों में मंगलवार को खुशी का माहौल देखा गया। सरकार द्वारा इन तदर्थ शिक्षकों को पचीस हजार से तीस हजार के मानदेय पर सेवारत किया गया है। इसे लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने सरकार के मौजूदा आदेश को निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि सहायता प्राप्त विद्यालयों में स्वीकृत मूल पद रिक्त होने की दशा में इन शिक्षकों को सम्मान देना वेतन व मानदेय को लेकर प्रदेश सरकार नई नीति तैयार करे। शिक्षकों मे इस बात की खुशी है कि हाईकोर्ट ने सरकार से स्वीकृत मूल पद के न्यूनतम वेतनमान के साथ तदर्थ शिक्षकों को अनुमन्य भत्ते भी दिये जाने के निर्देश दिये। सरकार के मौजूदा मानदेय व्यवस्था को अत्यन्त कम धनराशि दिये जाने पर भी हाईकोर्ट ने उचित नही करार दिया है। हाईकोर्ट के फैसले की जानकारी मिलने पर तदर्थ शिक्षकों मे खुशी का माहौल देखा गया। डॉ0 आशीष सिंह, हृदय नारायण मिश्र, बृजेश द्विवेदी, संतोष तिवारी, कपिल द्विवेदी, श्रीधर तिवारी, सर्वजीत गुप्ता, मनीष सिंह आदि ने याचिका के पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता जीसी वर्मा व अभिषेक पाण्डेय की बहस को सराहते हुए फैसले पर खुशी जताई है।

डीएम ने जवाहर नवोदय, सर्वोदय विद्यालय और वृहद संरक्षण गौशाला का किया निरीक्षण

डीएम ने विद्यालयों का निरीक्षण कर जाना छात्रों की पढ़ाई और सुविधाओं का हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने नरायनपुर स्थित पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय और जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं और विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद कर पढ़ाई और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने नरायनपुर लक्ष्मणपुर स्थित बृहद संरक्षण गौशाला का भी जायजा लिया। गौशाला में भीव्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। जवाहर नवोदय विद्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से पठन-पाठन की स्थिति, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। छात्रों द्वारा बताई गई समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम ने विद्यालय के खेल मैदान और पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा, जिससे बच्चों को अध्ययन और खेलकूद के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इसके बाद जिलाधिकारी ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय नरायनपुर, जिसे पूर्व में राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के नाम से जाना जाता था, का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में जाकर छात्र-छात्राओं से बातचीत की और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही छात्रावास की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को विद्यालय की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विद्यालयों के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने बृहद संरक्षण गौशाला नरायनपुर लक्ष्मणपुर का निरीक्षण किया। यहां व्यवस्थाएं संतोषजनक न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। डीएम ने गौशाला में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने, पशुओं के समुचित रख-रखाव और जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

सत्य तथा कर्म साधना के संदेश को मजबूती अजगरा महान का ध्येय

नपं सभागार में प्रतिभागियों ने नैतिक जीवन के मूल्यों पर किया मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। अजगरा महान संवाद 2026 को लेकर दूसरे दिन नगर पंचायत कार्यालय सभागार में हुई प्रतियोगिता में सत्य तथा साधना व धर्म पर प्रतिभागियों ने मंथन किया। डीएम अभिषेक पाण्डेय के निर्देशन में हुए मंथन में विचार रखते हुए प्रतिभागियो ने निश्चल सत्य तथा कर्म की साधना को जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया। पूर्व प्रधानाचार्य डॉ0 शक्तिधरनाथ पाण्डेय ने यक्ष प्रश्नों को आज के संदर्भ में नीति और नैतिकता के रूप में परिभाषित किया। प्रतिभागी प्रांजल शुक्ला, अनिल महेश, दीपू पासी, अनूप दुबे, संतोष पाण्डेय, सिद्धार्थ यादव, शुभांशु शुक्ला ने आपसी संवाद के जरिए नैतिक जीवन के बिंदुओं पर प्रकाश डाला। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। संयोजन अधिशाषी अधिकारी इन्द्र प्रताप ने किया। निर्णायक मण्डल के राकेश त्रिपाठी, वंदना मिश्रा, शशिबाला, रोशन सिंह, कंचन सिंह, पूनम ने प्रतिभागियों के विचार पर आधारित प्रश्नों के साथ मंथन को आगे बढ़ाया। इस मौके पर अनिकेत दुबे, अरविंद मिश्र, चंदन पाण्डेय, विकास तिवारी, रोहित मिश्र, अरविंद तिवारी, कौशिल्या श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, रवि मिश्र, सागर पाण्डेय, विनीत मिश्र आदि रहे।

झमाझम बारिश से किसान मगन, व्यवस्था बदहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। सोमवार की आधी रात से शुरू हुई झमाझम बारिश के चलते मंगलवार को सार्वजनिक संस्थानों में कामकाज प्रभावित हुआ दिखाई पड़ा। तहसील में बारिश का पानी पूरा भर गया। मंगलवार को दिन में भी सुबह से शाम तक बारिश का सिलसिला रूक रूक कर जारी रहा। तहसील परिसर में जलभराव के कारण लोगों को अदालतों तक पहुंचने में मशक्कत उठाना पड़ा। समस्या को लेकर परेशान वकीलों ने न्यायिक कामकाज से विरत रहने का प्रस्ताव सौंपा। वहीं नगर पंचायत के नेताजीपुरम में भी कई स्थानों पर जलभराव से लोग परेशान दिखे। कोतवाली परिसर में भी जलजमाव की स्थिति फरियादियों के लिए तकलीफदेह देखी गयी। सीएचसी परिसर में भी बारिश का पानी मरीजों के साथ आये तीमारदारों के लिए भी परेशानी लिए हुए देखा गया। बारिश के बीच बाबा घुइसरनाथ धाम के दर्शनार्थियों व जल चढ़ाने निकले भक्तों को भी कई जगह रूकने की विवशता देखी गयी। हालांकि बारिश पर भगवान के भक्तों की आस्था भारी पड़ी दिखी। श्रावण मास के साथ मंगलवार के परम्परागत मेले को लेकर धाम में शिवभक्तों का जमावड़ा दिन भर बना रहा। वहीं सई नदी का जलस्तर भी अब और बढ़ने लगा है। सार्वजनिक संस्थानों में कई जगह सोख्ता टैंक का निर्माण भी जारी है। इसके बावजूद इन संस्थानों में जलभराव एक बड़ी समस्या बनी हुई है।

बिस्कोहर में त्योहारों को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च: अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

बिस्कोहर(सिद्धार्थनगर)। बारावफात, रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैदी के साथ फ्लैग मार्च करते हुए सुरक्षा का एहसास कराया। क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द , अमन - चैन बनाएं रखने के लिए मंगलवार शाम थाना त्रिलोकपुर प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कस्बा बिस्कोहर में पैदल फ्लैग मार्च निकाला।यह मार्च बिस्कोहर चौकी से शुरू होकर पश्चिम मोहल्ला, कसेरा, शाह मोहल्ला, मुख्य मार्केट और पुराना डाकखाना होते हुए पुराना बैंक रोड से परशुराम तिराहा पर पहुंचा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को बनाने के लिए ड्रोन कैमरा भी उड़ाकर छतों और गलियों की सघन निगरानी की गई। प्रभारी निरीक्षक ने चेतावनी दी कि कोई व्यक्ति माहौल बिगाड़ने का कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होगी।

महिला आयोग की सदस्य ने पीड़ित महिलाओं की सुनी समस्याएं

मेडिकल कालेज में प्रशिक्षु विद्यार्थियों से किया संवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने जनपद में विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर भुलियापुर में पीड़ित महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान सांगीपुर निवासी पीड़िता काजल गौड़ ने अपने चाचा राकेश कुमार एवं प्रेमी पंकज से संबंधित मामले की जानकारी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सदस्य ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सेंटर पर रह रही पीड़िता को पर्याप्त मात्रा में पोषाहार उपलब्ध न होने की बात सामने आई। इस पर महिला आयोग की सदस्य ने संबंधित अधिकारी को पोषाहार की मात्रा एवं गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुसार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रतिभा कुशवाहा ने प्राथमिक विद्यालय दहिलामऊ पहुंचकर दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कराई तथा तीन बच्चों का अन्नप्राशन कराया।

महिला आयोग की सदस्य ने डॉ. सोनेलाल पटेल स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षु विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके प्रशिक्षण और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को चिकित्सा सेवा के दायित्वों का निर्वहन सेवा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सोमनाथ, सहायक प्रोफेसर डॉ. मंजूषा नाथ, उप-प्राचार्य डॉ. रश्मि यादव, सीएमएस डॉ. शैलेंद्र कुमार एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋचा पांडेय सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके बाद महिला आयोग की सदस्य ने क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी सभागार में सदर तहसील क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्योति शाक्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी रन बहादुर वर्मा, विधायक सदर प्रतिनिधि अरुण कुमार मौर्य सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचा था: नहाते समय कूड़ा नदी में डूबा अधेड़, दूसरे दिन शव बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के नगर पंचायत उसका बाजार के राजेंद्र नगर वार्ड से सटे कूड़ा नदी में सोमवार को डूबे 45 वर्षीय रामसेवक का शव 20 घंटे बाद मंगलवार को एसडीआरएफ के प्रयास से नदी में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक रामसेवक नगर पंचायत के उड़वलिया निवासी पूर्व दरोगा माधव शरण द्विवेदी के निधन के उपरांत उनके दाह संस्कार में शामिल होने के लिए कूड़ा नदी के स्थित श्मशान घाट पर गए थे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रामसेवक नदी में नहाने लगे। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण वह अचानक डूब गए। मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए उन्हें बचाने का प्रयास किया। लेकिन असफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश शुरू कराई गई। हालांकि, काफी प्रयासों के बाद भी रात होने तक शव का पता नहीं चल सका था। अंधेरा अधिक होने के कारण खोज अभियान को रोक दिया था। मंगलवार को एसडीआरएफ की टीम ने अपना अभियान शुरू किया। कुछ समय बाद नदी में रामसेवक का शव उतराती मिली। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि नायब तहसीलदार अमित सिंह की मौजूदगी में शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैऔर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चोरी के शक में पकड़े गए दो युवकों की ग्रामीणों ने की पिटाई, हालत बिगड़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रिसाली का पुरवा मजरे उतरागौरी गांव में देर रात चोरी करने पहुंचे बदमाशों को पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने दो युवकों की जमकर पिटाई कर दी। पिटाई से दोनों की हालत बिगड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गांव निवासी प्रेमावती पत्नी सियाराम ने बताया कि रात करीब तीन बजे चार अज्ञात चोर घर में घुस आए। खटपट की आवाज सुनकर उनकी नींद खुल गई। एक चोर बक्सा लेकर भागने लगा, जिसे प्रेमावती ने पीछे से पकड़ लिया। हाथापाई के दौरान चोर उनके चंगुल से निकलकर भाग गया। शोर सुनकर प्रेमावती के बेटे और परिवार के अन्य लोग जाग गए। ग्रामीणों ने चोरों की तलाश शुरू कर दी। घर से करीब 700 मीटर दूर ग्रामीणों ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। बाद में पुलिस को सूचना देकर दोनों को सौंप दिया गया। परिजनों का आरोप है कि चोर घर से करीब एक लाख रुपये नकद, एक किलोग्राम चांदी समेत सोने-चांदी के अन्य जेवरात चोरी कर ले गए। परिवार ने पुलिस से चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है।

सामान बरामदगी को लेकर अस्पताल में हंगामा

दोनों घायल युवकों को सीएचसी से जिला अस्पताल ले जाते समय प्रेमावती और उनके परिजनों की पुलिस से कहासुनी हो गई। परिजनों ने मांग की कि दोनों युवकों से पूछताछ कर चोरी का सामान बरामद किया जाए। महिलाएं काफी देर तक पुलिस वाहन के सामने खड़ी रहीं, जिससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रेमावती के बेटे राहुल ने आरोप लगाया कि बिना नेम प्लेट लगाए पहुंचे दो दरोगाओं ने उसके साथ मारपीट की और रेफर पर्चे पर जबरन हस्ताक्षर कराए।

राहुल का आरोप है कि पुलिसकर्मी दोनों घायलों के इलाज की जिम्मेदारी परिजनों पर डाल रहे थे। वहीं महिलाओं ने आरोप लगाया कि चोरों से हुई हाथापाई में उन्हें भी चोटें आई हैं और वे इलाज कराने सीएचसी पहुंची थीं। इसी दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा उनके बेटे पर घायलों के इलाज की जिम्मेदारी लेने का दबाव बनाने को लेकर विवाद बढ़ गया। मामला बढ़ने पर महिला और महिला पुलिसकर्मियों के बीच भी हाथापाई हो गई। इस दौरान सियाराम की पुत्री ममता गिर गई और कुछ देर तक पुलिस वाहन के सामने पड़ी रही। बाद में परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी पहुंचाया गया था। पीड़ित परिवार से तहरीर ली जा रही है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला मंत्री बनाए जाने पर सीपी पांडे का हुआ स्वागत

लालगंज रायबरेली। वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता व शिक्षक चंद्र प्रकाश पांडे को भारतीय जनता पार्टी का जिला मंत्री बनाया गया। उनके जिला मंत्री बनाए जाने पर भाजपा नेताओं शुभचिंतकों और समर्थकों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। बराती लाल गंगाराम विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश पांडे ने पूर्व में सरेनी विधानसभा के संयोजक की भूमिका निभा चुके हैं। अब उन्हें जिला कार्य समिति में जिला मंत्री बनाया गया है। उनके जिला मंत्री बनने पर पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, कार्तिकेय शंकर बाजपेई, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, राजेश निर्मल सहित तमाम लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

मशरूम की खेती सीखेंगे प्रतापगढ़ के किसान, छः चरणों में होगा प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि किसानों को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीक से रूबरू कराने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालय संयुक्त निदेशक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र बस्ती में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का पहला चरण 7 से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसके बाद अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी में भी तीन-तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे। दूर-दराज से आने वाले किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कृषक छात्रावास में एक साथ 25 प्रशिक्षणार्थियों के ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। हालांकि प्रशिक्षणार्थियों को भोजन, बोडिंग और जलपान की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र के लिए 50 रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण पुस्तिका लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को इसके लिए 65 रुपये अतिरिक्त जमा करने होंगे। उन्होने बताया है कि मशरूम उत्पादन तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालय संयुक्त निदेशक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र बस्ती में 07 से 09 सितंबर, 05 से 07 अक्टूबर, 02 से 04 नवम्बर, 14 से 16 दिसम्बर 2026, 07 से 09 जनवरी 2027 तथा 01 से 03 फरवरी 2027 तक होगा। प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत जानकारी मशरूम प्रभारी माधुरी सोनी के मोबाइल नंबर 9648312096 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

घर में सफाई कर रही महिला को सांप ने डसा, मौत

बांसी (सिद्धार्थनगर)। जिले के खेसरहा क्षेत्र में एक महिला की सांप के डसने से मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह ग्राम पंचायत महुलानी में हुई। मृतका की पहचान महुलानी निवासी पुष्पावती (60)पत्नी रामाज्ञा पाण्डेय के रूप में हुई है। मंगलवार सुबह करीब सात बजे पुष्पावती घर में झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान घर की डेहरी के नीचे छिपा एक कोबरा सांप बाहर निकला और पैर में डस लिया। सांप के डसने के बाद पुष्पावती ने तत्काल परिजनों को जानकारी दी। परिवार के लोग घबरा गए और बिना देर किए उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में पुष्पावती की हालत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया।महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मिशन शक्ति अभियान में बालिकाओं को किया जागरूक

महराजगंज/रायबरेली। मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को राजकीय विद्यालय हलोर में थाना महाराजगंज की मिशन शक्ति टीम ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। टीम ने बालिकाओं को 1090, 1076, 108, 102, 112, 1098, 181, 101 और 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। 1090 महिला हेल्पलाइन के बारे में बताया गया कि शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है। इस दौरान साइबर अपराध से बचाव, नशे से दूर रहने, मोबाइल के सुरक्षित उपयोग तथा गुड टच-बैड टच के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह और नारी शक्ति वंदन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना सावन महोत्सव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली। गुरुबख्शगंज स्थित सीएससी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में सावन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला, प्रबंधक मोहित शुक्ला, निदेशक रोहित शुक्ला तथा एसबीआई गुरुबख्शगंज के शाखा प्रबंधक सुरम्य चंद्रा समेत अतिथियों ने पूजन किया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने फूलों से सजी आकर्षक कांवड़ तैयार कर भव्य कांवड़ यात्रा निकाली। अयांश शुक्ला, देव त्रिवेदी, शिवांश सिंह, अथर्व, ऋषभ, रेयांश, रुद्रांश, श्रुति, अनन्या, त्रिशया, पार्थ बाजपेई, आदित्य गुप्ता, युग तिवारी, संकल्प और निष्ठा समेत बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी के स्वरूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। सार्थक सिंह ने शिव, रूही मौर्या ने माता पार्वती, अद्वविक शर्मा ने गणेश, अनिकेत ने कार्तिकेय और रेयांश रॉय श्रीवास्तव ने नंदी का स्वरूप निभाया। विद्यालय परिसर को शिक्षिकाओं ने फूलों और रंगोली से आकर्षक ढंग से सजाया। निदेशक रोहित शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में उत्साह बढ़ाने के साथ उन्हें भारतीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की जानकारी देने में सहायक होते हैं। प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने कहा कि देश की परंपराएं हमें ईश्वर और संस्कारों से जोड़ती हैं तथा सभी पर्व मिल-जुलकर मनाने से आपसी प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं अर्चना, आस्था, आकृति, हर्षिता, रेहा, सिमरन, दामिनी, पूजा शर्मा, भावना, किरण, पूजा दीक्षित, रंजना, नाजिया सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

बरसात में कच्चा मकान गिरा, आवास के लिए गरीब परिवार की गुहार

महराजगंज, रायबरेली। चंदापुर थाना क्षेत्र के पूरे मेहरबान सिंह मजरे ज्योना निवासी शिव मूरत पुत्र स्वर्गीय प्यारे लाल बाहर रहकर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका कच्चा मकान लगातार हो रही बारिश के चलते गिर गया। मकान गिरने से परिवार के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। शिव मूरत की पत्नी शिल्पी ने बताया कि उनके पति मजदूरी के सिलसिले में बाहर गए हुए हैं और वह अपने बच्चों के साथ इसी कच्चे मकान में रह रही थीं। बारिश के दौरान मकान गिर गया, जिससे परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। उन्होंने बताया कि आवास के लिए उनके पति ने कई बार ग्राम प्रधान से भी गुहार लगाई, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया।

शिल्पी का कहना है कि सरकार की ओर से गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का दावा किया जाता है, लेकिन उनका परिवार आज भी पक्के आवास से वंचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील और ब्लॉक स्तर पर बैठकर कागजी खानापूर्ति कर दी जाती है, जबकि जमीनी स्तर पर गरीब परिवारों की स्थिति देखने कोई अधिकारी नहीं पहुंचता। मामले में उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम ने दूरभाष पर बताया कि लगातार रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते क्षेत्र के कई गांवों में कच्चे मकान और कोठरियां गिर रही हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित हल्का लेखपाल से तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि पीड़ित परिवार को शासन की ओर से अनुमन्य सहायता जल्द से जल्द दिलाई जा सके।

पीएमश्री विद्यालय बढ़नी में बढ़ा नामांकन, छात्रों की संख्या 561 पहुंची

सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकास क्षेत्र के पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय बढ़नी (नगर पंचायत) में पढ़ रहे बच्चों को विभागीय सहयोग व शिक्षकों के बेहतर शिक्षण व्यवस्था से लाभ मिल रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ विद्यालय के बच्चे उठा रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से बच्चे राष्ट्रीय आविष्कार , खेलकूद, नवोदय विद्यालय आदि क्षेत्र में प्रतिभागिता कर आगे बढ़ने के लिये कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानाध्यापक जावेद आलम का कहना है कि विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं की मेहनत, लगनशीलता से वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 165 नये नामांकन हुये, जिससे कुल संख्या 561 पहुंच गयी। बच्चों के नामांकन व ठहराव से विद्यालय परिवार खुश है। विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ स्वच्छता, अनुशासन, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभिभावकों के बीच विश्वास बढ़ाने के साथ आत्मीय सम्बंध को बेहतर बनाने और सुरक्षित माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये विद्यालय कटिबद्ध है।

सोनबील फिशरमैन सहकारी समिति के 700 मुस्लिम सदस्यों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: न्याय मिलने में भले ही समय लगे, लेकिन न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखने वालों के लिए अंततः इंसाफ की उम्मीद कायम रहती है। वर्षों से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे श्रीभूमि जिले के सोनबील फिशरमैन कोऑपरेटिव सोसाइटी के करीब 700 मुस्लिम मछुआरा सदस्यों के मामले में भी आखिरकार यही उम्मीद हकीकत में बदलती दिखाई दी है। लंबे कानूनी संघर्ष के बाद गौहाटी हाईकोर्ट ने सोनबील फिशरमैन कोऑपरेटिव सोसाइटी से बाहर किए गए मुस्लिम माइ?मल मछुआरा समुदाय के सदस्यों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने सदस्यों को बाहर किए जाने संबंधी सरकारी निर्णय को निरस्त करते हुए उनकी सदस्यता बहाल करने का निर्देश दिया है। संबंधित अधिकारियों को एक महीने के भीतर प्रभावित सभी सदस्यों के नाम समिति के रिकॉर्ड

में दोबारा दर्ज करने को कहा गया है। 1975 में हुआ था समिति का गठन सोनबील को केंद्र में रखकर वर्ष 1975 में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के मछुआरों की पहल पर सोनबील फिशरमैन कोऑपरेटिव सोसाइटी का गठन किया गया था। समिति का उद्देश्य विशाल सोनबील क्षेत्र में मछली पकड़ने और मछली के कारोबार को व्यवस्थित करना था। समिति का कार्यालय स्थानीय कालीबाड़ी बाजार में स्थित है। आरोप है कि बाद के वर्षों में असम सरकार के सहकारिता विभाग की एक अधिसूचना के माध्यम से मुस्लिम माइ?मल समुदाय के सदस्यों को समिति से बाहर कर दिया गया। आरोप यह भी है कि समिति की सदस्यता और संचालन को केवल अनुसूचित हिंदू समुदाय के सदस्यों तक सीमित कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप करीब 700 मुस्लिम मछुआरा सदस्यों की सदस्यता समाप्त हो गई और उनके नाम समिति के रिकॉर्ड तथा मतदाता सूची से भी हटा दिए गए। वर्षों तक जनप्रतिनिधियों से लगाई गुहार प्रभावित सदस्यों में सोनबील के पूर्वी तट पर स्थित देवद्वार, तुलाकोना, छड़ारपार, रंगपुर, शिंगुआ और बालिरबंद सहित विभिन्न गांवों के मछुआरे शामिल हैं। सदस्यता वापस पाने के लिए इन लोगों ने वर्षों तक विधायक, सांसद और मंत्रियों से गुहार लगाई, लेकिन उन्हें कोई स्थायी समाधान नहीं मिल सका। इसके बाद प्रभावित मछुआरों ने न्यायालय की शरण ली। सदस्यता बहाली की मांग को लेकर गौहाटी हाईकोर्ट में डब्ल्यूपी(सी) 5562/2018 दायर की गई। इसी बीच मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए बिना समिति के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव की प्रक्रिया शुरू किए जाने पर चुनाव रोकने की मांग को लेकर डब्ल्यूपी(सी) 545/2020 भी दायर की गई। हाईकोर्ट ने मुख्य मामले के निपटारे तक चुनाव पर रोक लगा दी। इसके बाद वर्ष 2020 से सोनबील फिशरमैन कोऑपरेटिव सोसाइटी का चुनाव नहीं हो सका। हाईकोर्ट ने सरकारी निर्णय किया निरस्त हाल में न्यायमूर्ति संजय कुमार मेधी की अदालत ने मुख्य रिट याचिका डब्ल्यूपी(सी) 5562/2018 पर फैसला सुनाया। फैसले में मुस्लिम मछुआरा सदस्यों को समिति से बाहर किए जाने संबंधी सरकारी निर्णय को निरस्त करते हुए उनकी सदस्यता बहाल करने का निर्देश दिया गया। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को एक महीने के भीतर सभी प्रभावित मुस्लिम सदस्यों को समिति में दोबारा शामिल करने तथा उनके नाम समिति के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज करने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुपालन के लिए संबंधित सरकारी विभाग की ओर से प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही जा रही है। फैसले के बाद गांवों में खुशी हाईकोर्ट के फैसले की जानकारी सामने आने के बाद सोनबील क्षेत्र के मुस्लिम मछुआरा बहुल गांवों में खुशी का माहौल है। समुदाय के लोगों ने इस फैसले को वर्षों से चले आ रहे अधिकारों के संघर्ष में महत्वपूर्ण जीत बताया है। मछुआरा समुदाय के लोगों का कहना है कि लंबे समय तक अपनी सदस्यता और अधिकारों की बहाली के लिए उन्हें प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर प्रयास करना पड़ा।

अंततः न्यायालय के हस्तक्षेप से उनके लिए न्याय का रास्ता खुला है। अधिवक्ता रहीम तालुकदार के प्रति जताया आभार इस लंबी कानूनी लड़ाई में मुस्लिम माइ?मल मछुआरा समुदाय की ओर से गौहाटी हाईकोर्ट में अधिवक्ता रहीम तालुकदार ने पैरवी की। फैसले के बाद समुदाय के प्रमुख लोगों ने अधिवक्ता तालुकदार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। समुदाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्षों से चली आ रही कानूनी लड़ाई में अधिवक्ता रहीम तालुकदार की पैरवी से उन्हें अपने अधिकारों की पुनर्बहाली की दिशा में निर्णायक सफलता मिली है। उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले को न्याय और समान अधिकार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

गरीबों की रसोई में एक रुपये में भरपेट भोजन, 27 दिन से लगातार जारी सेवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर- शाहजहांपुर। युवाओं द्वारा नगर में जरूरतमंद, असहाय और मजदूरों को महज एक रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रारंभ की गईअनूठी पहल को लोगों का लगातार समर्थन मिल रहा है। गरीबों की रसोई' के संचालक संजीव कुमार संघर्षी और प्रद्युम्न द्विवेदी के साथ सहयोगी टीम के सदस्य शोभित राठौर, सूर्यदेव, संजीव कुमार मास्टर साहब, डॉ. अर्पित राठौर, अमन द्विवेदी, शिवा, मोहित, उदय, अवनीश राठौर, मोहित राठौर, कुंवर पाल, आशाराम साहू और रामू ने संयुक्त रूप से गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 29 जुलाई को इसका संचालन प्रारंभ किया था। रसोई में प्रतिदिन बड़ी संख्या में शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले जरूरतमंद लोग भोजन ग्रहण कर रहे हैं। रसोई का संचालन प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से करीब तीन बजे तक किया जाता है। यहां मजदूरों, मजबूरों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मात्र एक रुपये में भरपेट भोजन कराया जाता है। सेवा शुरू होने के बाद से लगातार जरूरतमंद लोगों की संख्या बढ़ रही है।

'गरीबों की रसोई' के संचालक संजीव कुमार संघर्षी ने कहना है कि जरूरतमंदों को सम्मान के साथ भोजन उपलब्ध कराना ही इस पहल का उद्देश्य है। उनका कहना है कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना के साथ गरीबों की रसोई की सेवा निरंतर जारी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि तमाम लोग बच्चों के जन्मदिन अथवा अन्य उपलक्ष्य में गरीबों को भोजन कराने के लिए इस मुहिम में जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत तीन बसों को हरी झंडी

जालंधर। पंजाब के रक्षा सेवा कल्याण, स्वतंत्रता सेनानी एवं बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के लिए 120 फीट रोड से तीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य के लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्राओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्री ने बताया कि जालंधर से आज तीन बसों को हरिद्वार-ऋषिकेश, खाटू श्याम-सालासर बालाजी और वृंदावन के लिए रवाना किया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के रहने और भोजन की समुचित व्यवस्था पंजाब सरकार की ओर से की गई है। मोहिंदर भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अब तक चार लाख से अधिक श्रद्धालु विभिन्न पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों को धार्मिक यात्राओं की सुविधा उपलब्ध कराना है।

एसआईसी हरप्रीत संधू ने पश्चिमी कमान के जीओसी से की शिष्टाचार भेंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के राज्य सूचना आयुक्त (एसआईसी) हरप्रीत संधू ने चंडीमंदिर स्थित पश्चिमी कमान मुख्यालय में जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, एवीएसएम, एसएम से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान भारत की समृद्ध सैन्य विरासत, सांस्कृतिक धरोहर और उसके संरक्षण को लेकर सार्थक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान हरप्रीत संधू ने अपनी कलाकृति 'पीकॉक - द ग्लोरी ऑफ इंडिया' भेंट की, जो भारत की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने अपनी कॉफी टेबल पुस्तक 'सुखना लेक एट डॉन' भी जीओसी को भेंट की, जिसमें चंडीगढ़ की स्थापत्य, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का सुंदर चित्रण किया गया है। इसके साथ ही संधू ने अपनी शोधपरक पुस्तक 'व्हीट फील्ड्स ऑफ पंजाब - द स्पिरिट ऑफ वैसाखी' भी भेंट की। पुस्तक में पंजाब की कृषि परंपरा और

भारतीय सेना के भूमि तथा यहां के लोगों के साथ ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंधों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने हरप्रीत संधू को पश्चिमी कमान का प्रतीक चिह्न (इंसिग्निया) भेंट कर सम्मानित किया।

यह भारतीय सेना के साहस, सेवा, समर्पण और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक माना जाता है। दोनों के बीच हुई यह मुलाकात भारत की सैन्य विरासत के संरक्षण, सम्मान और पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक एवं कृषि परंपराओं को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रही।

एमआरएसपीटीयू में चार दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न, शोध में एआई के उपयोग पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा- महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एमआरएसपीटीयू), बठिंडा के ज्ञानि जैल सिंह स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग में रिसर्च मेथडोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित चार दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का समापन हो गया। यह कार्यक्रम 21 से 24 अगस्त तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पंजाब के विभिन्न सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों, विशेषकर बठिंडा, जालंधर और पटियाला से जुड़े शिक्षकों के शोध कौशल को मजबूत करना तथा अकादमिक एवं शोध कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता और प्रभावी भूमिका पर चर्चा करना था। एफडीपी के दौरान प्रतिभागियों को आर्किटेक्चरल रिसर्च से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें

सिस्टमैटिक लिटरेचर रिव्यू, शहरी नियोजन एवं डिजाइन के लिए विश्लेषणात्मक पद्धतियां, केस-स्टडी रिसर्च और रीजेनेरेटिव आर्किटेक्चर जैसे विषय शामिल रहे। कार्यक्रम में एआई के माध्यम से रिपोर्ट और प्रस्तुतियां तैयार करने के तरीकों के साथ-साथ शोध कार्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नैतिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में डॉ. प्रभजोत कौर, डॉ. भूपिंदर पाल सिंह धोट, डॉ. रिपु दमन सिंह, आर्किटेक्ट मीनू चौधरी और आर्किटेक्ट कपिल अरोड़ा सहित विभिन्न विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों ने अपने विचार साझा किए। समापन अवसर पर एमआरएसपीटीयू के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने आर्किटेक्चर शिक्षा में मजबूत शोध संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शोध को केवल अकादमिक दायित्व के रूप में नहीं, बल्कि व्यवस्थित खोज और निर्मित पर्यावरण से जुड़े साक्ष्य-आधारित निष्कर्ष विकसित करने के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने शोध में एआई के जिम्मेदार उपयोग और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखने पर भी बल दिया। वैलिडिक्टरी सत्र में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. परमजीत सिंह तथा डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. अमित भाटिया सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने फैकल्टी डेवलपमेंट और शोध उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई। पॉलिटेक्निक शिक्षकों के लिए आयोजित एफडीपी के समग्र समन्वयक प्रो. अमित भाटिया रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रिपु दमन सिंह ने किया। फैकल्टी को-कन्वीनर आर्किटेक्ट मिताक्षी शर्मा, आर्किटेक्ट प्रियंका मल्होत्रा, आर्किटेक्ट नियोम हेहर और आर्किटेक्ट करनवीर सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शब्दों की उड़ान, प्रतिभा की पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय द्वारा समय-समय पर विभिन्न साहित्यिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किय जाता है। इसी क्रम में विद्यालय मे एनयूपीपीएल के सतर्कता विभाग के तत्वधान मे कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेज़ी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'झूठ के बिना एक दिन' रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ स्वरचित एवं मौलिक कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। उनकी कविताओं में सत्य, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। स्पष्ट उच्चारण, स्वर के उतार-चढ़ाव, प्रवाहपूर्ण अभिव्यक्ति एवं मंचीय आत्मविश्वास ने प्रस्तुतियों को प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेल्ला कुमार सी, उप महाप्रबंधक (सतर्कता), एनयूपीपीएल; एवं संतोष यादव, प्रबंधक

(मानव संसाधन), तथा सुयश श्रीवास्तव, उप कार्यकारी अभियंता (सतर्कता), गणमान्य अथिति के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की तथा निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में निष्पक्ष मूल्यांकन किया। चेल्ला कुमार सी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने विद्यार्थियों के प्रभावशाली काव्य-पाठ एवं रचनात्मक प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी काव्यात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भाषाई दक्षता, रचनात्मक चिंतन, वक्तृत्व कौशल एवं मंचीय आत्मविश्वास विकसित करने का सार्थक अवसर प्रदान करने वाली रही।

5 करोड़ रुपये मांगने के आरोपों पर घमासान, डॉ. गुरप्रीत कौर ने भेजा कानूनी नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर पर दुष्कर्म के एक मामले को दबाने के लिए कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये मांगने के लगाए गए आरोपों ने विवाद खड़ा कर दिया है। मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पंजाब सरकार और पुलिस से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को आरोपों की जांच कर दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। एनएचआरसी के 21 अगस्त 2026 के आदेश के अनुसार, आयोग के समक्ष लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी (एलआरओ) की ओर से शिकायत दाखिल की गई थी। शिकायत में दावा किया गया था कि एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की पत्नी से जुड़े बताए

जा रहे दुष्कर्म मामले को प्रभावित करने के लिए पांच करोड़ रुपये की मांग की गई थी। आयोग ने प्रथम दृष्टया माना कि शिकायत में लगाए गए आरोप पीड़िता की गरिमा, सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और न्याय पाने के अधिकार से जुड़े गंभीर सवाल उठाते हैं। आयोग ने आरोपों की स्वतंत्र जांच, साक्ष्यों के संरक्षण और जांच को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास को रोकते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

एनएचआरसी ने दिए ये निर्देश

पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है।

आरोपों की स्वतंत्र जांच और साक्ष्यों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मामले की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय के महिला सुरक्षा प्रभाग को भेजी गई है।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि पंजाब सरकार और पुलिस की रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

डॉ. गुरप्रीत कौर ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

दूसरी ओर, डॉ. गुरप्रीत कौर ने पांच करोड़ रुपये मांगने के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने आरोप लगाने वाले से अपने दावे को साबित करने की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. गुरप्रीत कौर ने संबंधित सेवानिवृत्त न्यायाधीश को कानूनी नोटिस भी भेजा है और जवाब देने के लिए 24 घंटे का समय दिया है।

पंजाब को एआई का हब बनाया जाएगा, युवाओं को एआई से जोड़ने का लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। भारत सरकार के विकसित भारत परियोजना एआई के चेयरमैन गुरपाल सिंह ने अमृतसर जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डिप्टी कमिश्नर दलविंदरजीत सिंह, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) सुरिंदर सिंह तथा जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कार्यक्रमों की प्रगति और कार्यान्वयन को लेकर चर्चा की। चेयरमैन गुरपाल सिंह ने कहा कि पंजाब को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। अगले एक वर्ष में कम से कम एक करोड़ युवाओं को एआई से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि एआई बच्चों के भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है और विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने 'स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि इसे जिले के सभी स्कूलों में सुचारु रूप से लागू

करने के लिए शिक्षा विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों से कार्यक्रम के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। चेयरमैन ने बताया कि शिक्षा विभाग को कक्षा छह से 12 तक के सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जानकारी संबंधित पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रमुखों को विभिन्न एआई उपकरणों और उनके उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल एआई उपकरणों का उपयोग करना सिखाना नहीं, बल्कि उन्हें एआई डेवलपर के रूप में तैयार करना है।

जीसी विश्वविद्यालय में 'नरेंद्र मोदी ए रेयर विजनरी' पुस्तक का भव्य विमोचन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: जीसी विश्वविद्यालय, सिलचर के सभागार में आज 25 अगस्त मंगलवार को शिक्षाविद एवं चिंतक डॉ. लक्ष्मी निवास कलवार द्वारा लिखित पुस्तक 'नरेंद्र मोदी–ए रेयर विजनरी' का गरिमामय समारोह में विमोचन किया गया। पुस्तक का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. निरंजन रॉय ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों, साहित्यप्रेमियों, गणमान्य नागरिकों एवं आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति रही। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कुलपति प्रो. निरंजन रॉय ने कहा कि यह पुस्तक केवल जीवनी तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवर्तनकारी नेतृत्व के विभिन्न आयामों

को समझने का प्रयास है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक एवं वैचारिक प्रयास युवाओं को नई दिशा देने में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य केवल रोजगार पाने वाले युवाओं को तैयार करना नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाली उद्यमशील मानसिकता विकसित करना भी होना चाहिए। उन्होंने पुस्तक के लिए डॉ. कलवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लेखक डॉ. लक्ष्मी निवास कलवार ने पुस्तक की विषयवस्तु एवं लेखन-यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली, निर्णय क्षमता और वैश्विक दृष्टिकोण के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें पुस्तक के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य पाठकों को नेतृत्व एवं समकालीन भारत से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार करने का अवसर प्रदान करना है। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने पुस्तक के प्रकाशन पर लेखक को बधाई देते हुए इसे विचारोत्तेजक प्रयास बताया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कलवार ने सभी अतिथियों, शुभचिंतकों एवं आयोजन में सहयोग देने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। जातीय संगीत की मनमोहक प्रस्तुति के साथ समारोह का समापन हुआ।

कांग्रेस द्वारा संगठन सृजन कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में किया गया ऊर्जा का संचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कांग्रेस पार्टी की कोंच नगर और ब्लॉक इकाई द्वारा संगठन सृजन कार्यक्रम मंगलवार को नगर में पहाड़गांव रोड स्थित कलावती गार्डन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की मजबूती पर चर्चा की और विधानसभा आम चुनाव सन्निकट देख बूथ स्तर पर संगठन खड़ा करने के लिए पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दौसा राजस्थान के सांसद मुरारी लाल मीणा रहे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, पूर्व विधायक गरौठा बृजेन्द्र व्यास डमडम महाराज, ब्रजराज अहिरवार, सुनील जैन खजूरिया, महिला विंग की जिलाध्यक्ष

शकुंतला तिवारी आदि विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर ने की। कार्यक्रम में शामिल कांग्रेस के नगर और ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ताओं के बीच सांसद मुरारी लाल मीणा ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आम जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनैतिक संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका से तय होती है। कार्यकर्ताओं को जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना चाहिए। अन्य नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम को लेकर जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जा रहा है। इससे पूर्व नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी और ब्लॉक अध्यक्ष,,,, की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने अतिथि नेताओं का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया, उत्साहित कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के खूब नारे लगाए। कार्यक्रम में जिला महासचिव अनिल पटैरया, आजादउद्दीन, जिला उपाध्यक्ष रामकिशोर पुरोहित, प्रमोद शुक्ला, श्रीनारायण दीक्षित, मो.जाहिद, रामरूप, हाजी नासिर खान, लकी दुबे, कासिम मंसूरी, अखिल वैद, अरुण उपाध्याय, शकील मकरानी, सुल्तान राईन, नृपेंद्र बबेले, चंद्रशेखर कुशवाहा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन रामकिशोर पुरोहित ने किया जबकि आभार राघवेंद्र तिवारी ने व्यक्त किया।